संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 158 शुक्रवार 11 अप्रैल 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

चुनाव चिह्न विवाद:तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी की मुश्किलें बढ़ी

कोर्ट ने भेजा नोटिस,पेश होने का आदेश

मुजफ्फरपुर,10 अप्रैल 2025(ए)। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संरक्षक मुकेश सहनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सहनी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को चुनाव चिह्न के दुरुपयोग से जुड़े मामले में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत से नोटिस जारी किया गया है। कोर्ट ने सभी को 6 मई को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। उपस्थिति न होने की स्थिति में कोर्ट एकपक्षीय सुनवाई कर आदेश पारित कर सकता है।

6,600 सिख श्रद्धालु पाकिस्तान रवाना,50 साल बाद सभी को मिला वीजा

अमृतसर,10 अप्रैल 2025(ए)। खालसा साजना दिवस (वैसाखी) के मौके पर गुरुवार को (10 अप्रैल) पूरे भारत से करीब 6,600 सिख श्रद्धालु पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों के दर्शन के लिए रवाना हुए। यह जत्था अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान पहुंचेगा। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की ओर से 1,942 तीर्थयात्रियों का एक विशेष जत्था तैयार किया गया, जो बोले सो निहाल के जयकारों के साथ शिरोमणि कमेटी कार्यालय से रवाना हुआ। इस जत्थे का नेतृत्व एसजीपीसी सदस्य जंग बहादुर और उपनेता बीबी जोगिंदर कौर कर रहे हैं। यह तीर्थयात्री 10 दिनों तक पाकिस्तान में रहेंगे और 19 अप्रैल को भारत लौट आएंगे।एसजीपीसी ने बताया कि 50 साल बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब सभी आवेदन करने वाले श्रद्धालुओं को वीजा मिला है।

हॉट एयर बैलून की रस्सी में फंसने से शख्स की गिरकर दर्दनाक मौत

जयपुर,10 अप्रैल 2025(ए)। राजस्थान के बारां जिले में गुरुवार सुबह एक हॉट एयर बैलून शो रोमांच की बजाय दर्दनाक हादसे में बदल गया। जिले के स्थापना दिवस समारोह के दौरान खेल संकुल मैदान पर आयोजित बैलून शो में एक युवक की 80 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण मौत हो गई। मरने वाला युवक वासुदेव खत्री बैलून ऑपरेटर कंपनी का कर्मचारी था। वह रस्सी पकड़े खड़ा था, तभी हवा का दबाव अचानक इतना बढ़ गया कि वह हवा में लहराता चला गया। रस्सी का संतुलन जवाब दे गया और झटके से टूट गई। वासुदेव धड़ाम से ज़मीन पर गिरा। उसे तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कांग्रेस ने आलोक शर्मा को एआईसीसी के सचिव पद से मुक्त किया

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2025(ए)। कांग्रेस अध्यक्ष ने आलोक शर्मा को तत्काल प्रभाव से पंजाब के प्रभारी महासचिव से संबंध अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव के पद की जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया है।

डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून को लेकर टकराव

- डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून को लेकर लामबंद हुआ विपक्ष
- 120 सांसदों ने ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर...
- विपक्ष ने डिजिटल डेटा सुरक्षा कानून पर चिंता जताई...
- आरटीआई कार्यकर्ताओं ने नए कानून को कमजोर बताया...
- विपक्षी नेताओं ने केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन देने की योजना बनाई...

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2025(ए)। साल 2023 में पारित हुए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट को लेकर विपक्षी दल लामबंद हो गए हैं। इंडिया अलायंस के घटक दलों का आरोप है कि मौजूदा रूप में कानून राइट टू इनफार्मेशन को कमज़ोर करता है। इसके साथ ही इसमें किए गए बदलावों के चलते ये कानून नागरिकों के अधिकार और प्रेस फ्रीडम के लिए घातक साबित होगा। इंडिया गठबंधन की ओर से एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया गया कि इस कानून की धारा 44(3) को निरस्त करने की मांग करने वाला एक ज्ञापन केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव को दिया जाएगा।

विपक्ष के इन नेताओं ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

हाल ही में सरकार ने कहा है कि पीडीपीडी कानून के नियम 6-8 हफ्तों आखिरी रूप में आ जाएंगे, जिसके बाद उन्हें नोटिफाई कर दिया जाएगा। विपक्ष की ओर से कि इस साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीएमके के एमएम अब्दुल्ला, शिवसेना यूटीबी की प्रियंका चतुर्वेदी, सीपीएम के जॉन ब्रिटास, समाजवादी पार्टी के जावेद अली खान और राष्ट्रीय जनता दल के नवल किशोर शामिल थे।

क्या होगी विपक्ष की रणनीति?

इस सवाल के जवाब में कि कि अगर सरकार की ओर से सकारात्मक जवाब नहीं मिलता है, तब विपक्ष की रणनीति क्या होगी, इस सवाल के जवाब में गोगोई ने कहा कि वो अभी सरकार के जवाब का इंतजार करेंगे, हालांकि इस सीपीएम सांसद ब्रिटास ने कहा कि कानून बीते वक्त में निजता को लेकर कोर्ट के निर्देशों की आत्मा के खिलाफ है, और ऐसे में ये मामला कोर्ट के समक्ष लिए जाने के लिए मुफीद है। गोगोई ने कहा कि इस इस बिल को लेकर जेपीसी बनाई गई थी और एक व्यापक रिपोर्ट भी दी गई थी। लेकिन ये सरकार जब कोई भी बिल पास करती है तो कुछ संशोधन ले आती है,इस बिल के साथ भी ऐसा ही हुआ, जिसने जेपीसी रिपोर्ट की प्रकृति ही बदल दी।

ज्ञापन पर 120 से ज्यादा विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर

मणिपुर पर अविश्वास प्रस्ताव के बीच इसे ऐसे में इस पर व्यापक चर्चा नहीं हुई। सरकार को दी जाने वाले इस ज्ञापन पर 120 से ज्यादा विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर है। डीपीडीपी एक्ट की धारा 44 (3) में आरटीआई अधिनियम की धारा 8 (1) में बदलाव करती है,। जिसे लेकर आरटीआई कार्यकर्ताओं का कहना है कि इससे आरटीआई कानून कमजोर हो जाएगा। दरअसल आरटीआई एक्ट की धारा 8(1)(जे) व्यक्तिगत जानकारी को सार्वजनिक करने से छूट देती, हालांकि इसमें कहा गया है कि सार्वजनिक हित में होने पर यह नियम लागू नहीं होता, यानि जानकारी देनी होगी, लेकिन अब इसमें संशोधन कर दिया गया है, जो कानून को कमजोर करता है।

जब कानून आया तब नहीं थे ये प्रावधान

शिवसेना यूटीबी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि साल 2019 में जब सरकार ये कानून लेकर आई तब इसमें ऐसे प्रावधान नहीं थे, यहां तक कि 2021 में दोबारा ड्राफ्ट लाए जाने पर ऐसा नहीं था। उन्होने कहा कि मौजूदा रूप में ये कानून पत्रकारों के अधिकारों का भी हनन करता है, इसके बाद खोजी पत्रकारिता के मकसद से सूचना पाने, डेटा स्टोर करने के संदर्भ में जुर्माने के प्रावधान डरावने हैं , इसके अलावा डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड विकेंद्रीकृत नहीं होगा। सीपीएम सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि इस कानून के लागू होने के बाद मीडिया की आजादी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि साल 2019 जेपीसी की रिपोर्ट पढ़ने से पता चलेगा कि सरकार ने उस वक्त सांसदों की ओर से दिए गए सुझावों के विपरीत प्रावधान इस एक्ट में शामिल किए हैं।

शिक्षा के मंदिर में दलित बच्ची के साथ हुआ अमानवीय बर्ताव

मासिक धर्म के कारण परीक्षा के दौरान क्लास से बाहर बिठाया

कोयंबटूर,10 अप्रैल 2025 (ए)। तमिलनाडु के कोयंबटूर से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है, यहां शिक्षा के मंदिर यानी स्कूलमें एक दलित बच्ची को जातिगत भेदभाव का सामना करना पड़ा। अनुसूचित जाति की कक्षा 8वीं में पढ़ने वाली लड़की को उसके स्कूल में क्लास से परीक्षा के दौरान सिर्फ इसलिए बाहर कर दिया क्योंकि वह दूसरे जाति की है और उसे उसके जीवन का पहला मासिक धर्म आया था। लड़की का मां ने इस वाकये का पूरा वीडियो बनाया और घटना की शिकायत शिक्षा अधिकारियों से की।

प्राइवेट स्कूल ने की यह हरकत

टीओआई के मुताबिक, कोयंबटूर में अनुसूचित जाति (अरुणथियार) की एक लड़की को किनाथुकदावु तालुक के पास एक निजी मैट्रिकुलेशन स्कूल में कक्षा से बाहर परीक्षा देने के लिए बिठा दिया गया। लड़की ने अपनी मां को यह बात बताई तो दूसरे दिन भी परीक्षा के दौरान उसे बाहर बिठा दिया गया जिसका उसकी मां ने वीडियो बना लिया। जानकारी दे दें कि घटना किनाथुकदावु तालुक के सेंगुट्टईपलायम गांव में स्वामी चिभ्दवंदा मैट्रिक हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ने वाली लड़की के साथ हुआ।

दो दिन क्लास से किया बाहर

लड़की को 5 अप्रल को उसका पहला मासिक धर्म (पीरिएड) आया। फिर उसके दो दिन बाद ही यानी 7 अप्रैल को उसका साइंस का पेपर हुआ, जिसमें उसे बाहर बिठा दिया गया। फिर 8 अप्रैल को भी सोशल साइंस की परीक्षा के दौरान भी उसे कक्षा से बाहर बिठा दिया गया।टीओआई से बात करते हुए एक दलित कार्यकर्ता ने कहा लड़की ने 7 अप्रैल की शाम को मां से इस घटना की जानकारी दी। मां दूसरे दिन स्कूल गई तो देखा कि उसकी बेटी को फिर परीक्षा देने के लिए कक्षा के बाहर बिठाया गया है। उसने अपने मोबाइल कैमरे से घटना को रिकॉर्ड कर लिया। फिर बुधवार की रात को ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

तहव्वुर राणा को भारत लाया गया

एनआईए मुख्यालय में होगी पूछताछ

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2025(ए)। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को फाइनली भारत लाया जा चुका है। उसे लेकर आ रहा स्पेशल विमान दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। इसके बाद उसे एयरपोर्ट से राष्ट्रीय जांच एजेंसी के हेडक्वार्टर ले जा रही है जहां उससे जांच एजेंसियों की टीम के द्वारा पूछताछ की जाएगी। इसके बाद तहव्वुर राणा को तिहाड़ जेल में रखा जाएगा। जहां उसकी सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं। मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को आखिरकार भारत लाया गया है। उसे लेकर आया विशेष विमान बुधवार को दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर लैंड हुआ,जहां राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम पहले से मौजूद थी। एनआईए की टीम ने राणा को अपनी हिरासत में ले लिया है। सूत्रों के मुताबिक, राणा को एयरपोर्ट से सीधे मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया,जिसके बाद उसे एनआईए मुख्यालय में पूछताछ के लिए ले जाया जाएगा। जांच एजेंसियों की एक संयुक्त टीम उससे आतंकवादी गतिविधियों और 26/11 हमले में उसकी भूमिका को लेकर गहन पूछताछ करेगी। इस बीच, राणा को दिल्ली की तिहाड़ जेल में रखने की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। जेल प्रशासन ने उसकी सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किए हैं। बताया जा रहा है कि उसे एक उच्च-सुरक्षा सेल में रखा जाएगा। उधर, एनआईए कोर्ट के विशेष जज का स्टाफ भी कोर्ट परिसर में पहुंच गया है। कोर्ट के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है और किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को कोर्ट रूम के पास जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि राणा को आज ही एनआईए कोर्ट में पेश किया जा सकता है।

ट्रक और डंपर में टक्कर से लगी भीषण आग,जिंदा जल गया ड्राइवर

मिर्जापुर,10 अप्रैल 2025(ए)। लालगंज थाना क्षेत्र के धसड़ा मोड़ के पास ट्रक और डंपर में आमने-सामने टक्कर होने के बाद आग लग गई। इस दौरान डंपर चालक अंदर फंस गया, जिससे उसकी जलकर मौत हो गई। वहीं, दोनों गाड़ियों में सवार अन्य लोगों ने किसी तरह से कूदकर अपनी जान बचाई।

फायर ब्रिगेड टीम ने किसी तरह आग पर काबू पाया। इस दौरान एक रूट कई घंटों बाधित रहा. डंपर चालक बब्बन गैपुरा थाना विंध्याचल मिर्जापुर का रहने वाला था।

पंजाब में धमाके के बाद पाकिस्तान से सटे बॉर्डर पर रेड अलर्ट,इलाका सील

कलानौर,10 अप्रैल 2025(ए)। गुरदासपुर की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ की 58 बटालियन की बीओपी चौंतरा के इलाके में कंटीली तार के पार देश विरोधी तत्वों की ओर से लगाई गई माइन में से एक बम फटने से बुधवार को बीएसएफ का जवान सोहन सिंह जख्मी हो गया था। जिसके बाद अब रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। कंटीली तार के पार हुए बम धमाके के बाद बीएसएफ ने वीरवार को पाकिस्तान के साथ सटी पूरी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा बम ब्लास्ट वाले इलाके को पूरी तरह से सील कर दिया गया है। बीएसएफ की ओर से खोजी कुत्तों की मदद से इलाके की जांच की जा रही है। इसके अलावा इलाके में मिले दो अन्य बम भी डिफ्यूज कर दिए गए हैं।

लाल किले और जामा मस्जिद पर बम विस्फोट की धमकी

सुरक्षा एजेंसियों ने चलाया अभियान

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2025(ए)। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को पुलिस विभाग और सुरक्षा एजेंसियों के बीच हड़कंप मच गया। दरअसल, दिल्ली में स्थित ऐतिहासिक लाल किले और जामा मस्जिद को निशाना बनाकर बम विस्फोट करने की धमकी दी गई थी। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत ही मौके पर पहुंच कर गहन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, जांच में कुछ भी नहीं मिला और ये धमकी फर्जी साबित हुई है।

कांग्रेस अधिवेशन में खड़गे के बयान पर गरमाई सियासत

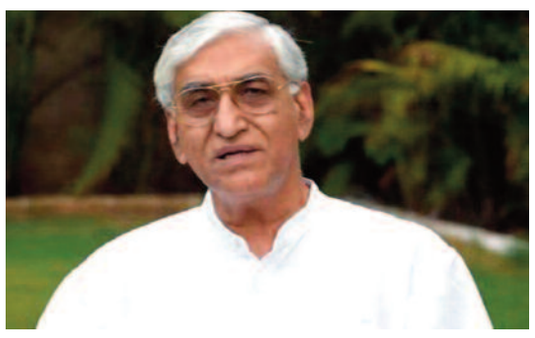

टीएस सिंहदेव बोले- परफॉर्मेंस के आधार पर हो आकलन

गांधीनगर,10 अप्रैल 2025 (ए)। गुजरात में चल रहे कांग्रेस अधिवेशन के दौरान पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा काम नहीं करने वालों को हटाया जाएगा वाले बयान ने सियासी हलचल तेज कर दी है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने परफॉर्मेंस आधारित मूल्यांकन प्रणाली की खुलकर वकालत की।

काम नहीं करने वाले खुद से नहीं हटते

सिंहदेव ने कहा, जो लोग पार्टी के लिए काम नहीं कर रहे, वे स्वेच्छा से कभी अपनी जगह नहीं छोड़ते। ऐसे में संगठन को खुद ही ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि कांग्रेस में एक पारदर्शी परफॉर्मेंस बेस्ड एसेसमेंट सिस्टम लागू होना चाहिए, जिससे निष्क्रिय नेताओं पर कार्रवाई की जा सके।

उम्र नहीं,प्रदर्शन हो आधार

मीडिया से बातचीत में सिंहदेव ने कहा, मैं 72 साल का हूं, लेकिन आज भी मुझमें काम करने की ऊर्जा है। केवल युवा होना कोई गारंटी नहीं है अगर कोई युवा नेता भी प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है, तो उसे जिम्मेदारी क्यों दी जाए? उन्होंने यह भी जोड़ा कि पार्टी में कार्य की गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, न कि केवल आयु या वरिष्ठता को।

खड़गे के बयान से कांग्रेस में नए मंथन के संकेत

मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान और टीएस सिंहदेव की प्रतिक्रिया से यह संकेत मिल रहे हैं कि कांग्रेस नेतृत्व अब कार्यक्षमता और ज़मीनी प्रदर्शन को प्राथमिकता देने के मूड में है। पार्टी के भीतर जवाबदेही तय करने की यह पहल आने वाले दिनों में बड़े बदलावों की भूमिका निभा सकती है।

हीरा कारखाने के वाटर कूलर में मिलाई सल्फास

पानी पीने से 150 कारीगरों की बिगड़ी तबीयत; हड़कंप मचा

सूरत ,10 अप्रैल 2025(ए)। गुजरात के सूरत शहर में स्थित एक हीरा कारखाने में उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां काम करने वाले 150 से अधिक कारीगरों की अचानक तबीयत खराब हो गई। यह घटना कापोदरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत अनभ जेम्स नामक डायमंड फैक्ट्री में हुई, जहां कारीगर रोजाना की तरह हीरा तराशने का काम कर रहे थे। पुलिस और कारखाना प्रबंधन के अनुसार, कुछ कारीगरों ने फैक्ट्री में लगे वाटर कूलर से पानी पिया, जिसके बाद उन्हें चक्कर आने और उल्टी की शिकायत शुरू हुई। अन्य

कर्मचारियों ने पानी से असामान्य गंध आने की बात प्रबंधन को बताई, जिसके बाद यह मामला गंभीर रूप लेता चला गया। घटना की सूचना मिलते ही कापोदरा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक तफ्तीश में वाटर कूलर के पास सल्फास का एक पैकेट बरामद हुआ।

संपादकीय

भारत-चीन रिश्तों में सुधार के संकेत

आजकल कूटनीतिक जगत में भारत-चीन संबंधों में सुधार को लेकर काफी चर्चा है। 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में हुए घटनाक्रम के बाद पिछले वर्ष अक्टूबर में रूस में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी।इस बैठक में दोनों शीर्ष नेताओं ने सीमा पर तनाव कम करने और द्विपक्षीय संबंधों को पटरी पर लाने का प्रयास किया था। विवाद के कुछ क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी जरूर हुई लेकिन अन्य मामलों में प्रगति नहीं हुई। इधर,अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद दुनिया में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ट्रंप प्रशासन के फैसलों से अमेरिका की घरेलू राजनीति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नक्शा बदल रहा है। अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच तनातनी बढ़ रही है तो दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति पुतिन के बीच जुगलबंदी आकार ले रही है। इस बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत और चीन ने कुछ लचीला रुख अपनाया है जिससे आशा बंधती है कि द्विपक्षीय संबंध पटरी पर आ सकते हैं। एक अप्रैल,1950 को दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंध हुआ था। नई दिल्ली और बीजिंग के कूटनीतिक रिश्तों के 75 वर्ष पूरे होने पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच शुभकामनाओं और पारस्परिक रिश्तों को और बेहतर बनाने के संदेशों का आदान-प्रदान हुआ। राष्ट्रपति जिनपिंग ने भारतीय राष्ट्रपति द्रोपदी मुमरु को प्रेषित अपने संदेश में दोनों देशों के रिश्तों के द्योतक ड्रैगन और हाथी के बीच बेहतर तालमेल बनाने की बात की जबकि राष्ट्रपति मुमरु ने कहा कि भारत और चीन के बीच स्थाई, स्थिर और सौहार्दपूर्ण संबंध का फायदा नई दिल्ली और बीजिंग के अलावा पूरी दुनिया को मिलेगा। वैश्विक मामलों के जानकार किशोर मेहबुबानी का विश्वास है कि अतीत की तरह दोनों देशों के सामने फिर से दुनिया का सिरमौर बनने का अवसर है। लेकिन दोनों ने आपसी संघर्ष का रास्ता अख्तियार किया तो वे यह अवसर गंवा सकते हैं। वास्तव में यह दावा तो कोई नहीं कर सकता कि हाल-फिलहाल भारत और चीन की समस्याओं का स्थायी समाधान हो जाएगा लेकिन दोनों देश जिस रास्ते पर चल रहे हैं, उससे यह आशा जरूर बंधती है कि भविष्य में सैन्य संघर्ष की स्थिति नहीं बनेगी।

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर विशेष आलेख

ज्योतिबा फुले आज भी प्रासंगिक हैं क्योंकि...

कृष्ण कुमार निर्माण
करनाल,हरियाणा

समाज का सुधार सिर्फ भाषणों से,बहस से नहीं होता बल्कि यह घर से शुरू होता है और इसका रास्ता शिक्षा से होकर गुजरता है,साथ ही आंदोलन से भी क्योंकि बिना शिक्षा के मनुष्य पशु समान है लेकिन शिक्षा उसे मानिए जो आपको समाज हित में काम करने के लिए प्रेरित करे,अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करने का साहस प्रदान करे,वंचितों के हकों को आवाज उठाने की हिम्मत दे और महिलाओं के पक्ष में बोलने की सोच प्रदान करे अन्यथा पढ़े-लिखे होकर भी आप अपढ़ ही माने जाएंगे और स्वार्थी भी कहलायेंगे। निश्चित रूप से 1827 में जन्में एक ऐसे पुरोधा ने यह काम करके दिखाया और ऐसी परिस्थितयों में किया,जिन हालातों में आम व्यक्ति तो क्या कोई विशेष व्यक्ति भी काम करने से हिचकता है और ऐसे महामानव थे,जिन्हें महात्मा की उपाधि से अलंकृत किया गया---महात्मा ज्योतिराव फुले..फुले क्योंकि फूलों का काम करते थे और वास्तव में वही छाप उन्होंने छोड़ी ज्योतिराव फुले एक समाज सुधारक थे जो भारत में हिंदू जाति व्यवस्था को बदलना चाहते थे।आज जो लोग भारत को एक विशेष राष्ट्र बनाने के लिए जोर दे रहे हैं,उन्हें एक बार जरूर ज्योतिबा फुले को पढ़ना चाहिए अन्यथा एक विशेष राष्ट्र की कल्पना का स्वप्न अधूरा ही रहेगा?इतना ही महिलाओं के लिए शिक्षा के द्वार इसी महात्मा ने खोलने का प्रयास किया और महिलाओं को समानता का अधिकार दिए जाने की पहल खुद के घर से की,जब अपनी ही पत्नी को खुद ही घर में पढ़ाकर देश की पहली महिला शिक्षिका होने का गौरव प्रदान किया।महात्मा ज्योतिबा फुले गरीब मजदूरों और महिलाओं सहित सभी लोगों के लिए समानता के पक्षधर थे।वह हिंदू जाति व्यवस्था के एक मजबूत आलोचक थे,एक ऐसा साधन जिसके द्वारा लोगों को उनके जन्म के सामाजिक समूह के अनुसार बांटता हो और मानवीय अधिकारों से वंचित करता हो,उसका विरोध होना ही चाहिए। दुर्भाग्य कि वह आज भी कायम है,शायद बहुत भयावह तरीके से।फुले ने जाति व्यवस्था के सबसे निचले स्तर पर रहने वाले लोगों के साथ होने वाले भेदभाव,अत्याचार की निंदा की,जिसमें दलित कहलाने वाले समूह शामिल हैं। उन्होंने भारत में एक ऐसे आंदोलन का नेतृत्व किया जिसका उद्देश्य एक नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करना था जिसमें कोई भी उच्च जाति के अधीन नहीं होगा। फुले ने महिलाओं के अधिकारों के लिए भी लड़ाई लड़ी। यह मानते हुए कि सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए शिक्षा आवश्यक है,उन्होंने लड़कियों और निचली जातियों के बच्चों के लिए स्कूल स्थापित किए।याद रहे कि इनका पूरा नाम ज्योतिराव गोविंदराव फुले था।इनका परिवार फल और सब्जी की खेती करता था।वे शूद्र सामाजिक वर्ग के भीतर माली जाति से संबंधित थे,जो भारत के पारंपरिक सामाजिक वर्गों में सबसे निचला है।फुले बचपन से ही एक प्रतिभाशाली छात्र थे,लेकिन माली बच्चों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना असामान्य बात थी।माली परिवारों के कई अन्य बच्चों की तरह,उन्होंने कम उम्र में ही अपनी पढ़ाई छोड़ दी और परिवार के खेत पर काम करना शुरू कर दिया। फुले के पड़ोसियों में से एक ने उनके पिता को अपने बेटे को स्कूल भेजने के लिए राजी करने में मदद की। 1840 के दशक में फुले ने पुणे में स्कॉटिश ईसाई मिशनरियों द्वारा संचालित एक माध्यमिक विद्यालय में पढ़ाई की। फुले यहाँ के ऐतिहासिक आंदोलनों और विचारकों से प्रेरित हुए। वह अमेरिका में स्वतंत्रता और गुलामी के खिलाफ आंदोलनों के साथ-साथ बुद्ध और रहस्यवादी और कबीर के कार्यों और शिक्षाओं से भी प्रेरित थे। एक बार एक उच्च जाति के परिवार के मित्र की शादी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था।दूल्हे के रिश्तेदारों ने कथित तौर पर फुले की निचली जाति का मजाक उड़ाया,जिससे उन्हें समारोह छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस घटना ने जाति व्यवस्था के अन्याय के प्रति उनकी आँखें खोलने में मदद की,जिसके बारे में उनका तर्क था कि यह विदेशी शक्तियों द्वारा भारत में लाई गई एक विदेशी व्यवस्था थी।उन्होंने 1848 में पुणे में निचली जाति की लड़कियों के लिए एक अग्रणी स्कूल खोला,एक ऐसा समय जब भारत में किसी भी लड़की के लिए शिक्षा प्राप्त करना बेहद दुर्लभ था।उन्होंने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले को घर पर ही शिक्षित किया था और वह लड़कियों के स्कूल की

शिक्षिका बन गईं। अगले कुछ वर्षों में,फुले ने लड़कियों के लिए और अधिक स्कूल खोले और निचली जातियों के लोगों,विशेष रूप से निम्न जाति के कहे जाने वाले बच्चों के लिए स्कूल खोला। फुले के काम को रूढ़िवादी लोगों से काफी दुश्मनी का सामना करना पड़ा,जिन्होंने उन्हें सामाजिक यथास्थिति को बाधित करने के लिए दोषी ठहराया।फिर भी,फुले और उनकी पत्नी ने सामाजिक आर्थिक और लैंगिक समानता की दिशा में अपना काम जारी रखा।फुले ने बाल विवाह का विरोध किया और विधवाओं के पुनर्विवाह के अधिकार का समर्थन किया,जिसे विशेष रूप से उच्च जाति के हिंदुओं ने अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने विधवाओं,विशेष रूप से तथाकथित उच्च जाति,जो गर्भवती हो गई थी,के लिए एक घर खोला और उनके बच्चों के लिए एक अनाथालय भी खोला। फुले और उनकी पत्नी ने बाद में इनमें से एक बच्चे को गोद ले लिया।1873 में फुले ने सामाजिक समानता को बढ़ावा देने,वंचितों और अन्य निम्न जाति के लोगों को एकजुट करने और उनका उत्थान करने तथा जाति व्यवस्था के कारण उत्पन्न सामाजिक-आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए सत्यशोधक समाज की स्थापना की।इस संस्था ने शिक्षा के महत्व पर भी जोर दिया और लोगों को एक विशेष जाति के पुजारियों के बिना विवाह करने के लिए प्रोत्साहित किया। फुले ने स्पष्ट किया कि सामाजिक वर्ग की परवाह किए बिना कोई भी व्यक्ति सत्यशोधक समाज में शामिल हो सकता है। फुले का एक प्राथमिक उद्देश्य उन लोगों को एकजुट करना था,जिन्होंने एक विशेष उच्च प्रधान जाति व्यवस्था के भीतर उत्पीड़न का साझा अनुभव किया था।सत्यशोधक समाज में मुख्य रूप से गैर-उच्च जातियों के लोग शामिल थे,लेकिन इसके सदस्यों में ब्राह्मणों के साथ-साथ विभिन्न धार्मिक परंपराओं के लोग भी शामिल थे। फुले ने सभी लोगों के उपयोग के लिए अपना निजी पानी का कुआँ भी खोल दिया,जो उनके स्वागत करने वाले रवैये का प्रतीक था और उन्होंने सभी सामाजिक वर्गों के लोगों को अपने घर में आमंत्रित किया। उनकी सबसे प्रसिद्ध कृति गुलामगिरी है,जो 1873 में प्रकाशित हुई थी। यह भारत की जाति व्यवस्था पर हमला थी,इसमें निचली जातियों के सदस्यों की स्थिति की तुलना संयुक्त राज्य अमेरिका में गुलाम लोगों से की गई है,आज भी यह पुस्तक उतनी ही प्रासांगिक है,जितनी तब थी और जिसने भी यह पुस्तक नहीं पढ़ी,तो समझिए कि उन्होंने कुछ नहीं पढ़ा।1888 में फुले को महात्मा की उपाधि दी गई।1890 में पुणे में उनकी मृत्यु हो गई।निश्चित रूप से आज भी यह महामानव न केवल प्रासंगिक है बल्कि हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कोचिंग इंडस्ट्री की मनमानी:अभिभावकों और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

एलेन कैरियर इंस्टीट्यूट: हिसार प्रकरण पर एक सख्त सवाल

हिसार स्थित एलेन कैरियर इंस्टीट्यूट पर अभिभावकों ने आरोप लगाए हैं कि संस्थान ने उनके बच्चों का एक शैक्षणिक वर्ष बर्बाद कर दिया और अब जबरन फीस वसूली कर रहा है। यह घटना कोचिंग इंडस्ट्री की अनियंत्रित और मुनाफाखोर प्रवृत्ति को उजागर करती है। देश में कोचिंग संस्थानों पर कोई प्रभावी निगरानी तंत्र नहीं है, जिससे छात्र और अभिभावक शोषण का शिकार हो रहे हैं। लेख में कोचिंग सिस्टम को रेगुलेट करने,पारदर्शिता बढ़ाने, फीस नियंत्रण, और मानसिक स्वास्थ्य सहायता जैसे उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। शिक्षा को व्यापार नहीं, सेवा मानते हुए जवाबदेही तय करने की अपील की गई है...

शिक्षा का उद्देश्य केवल अंकों और रैंकों की दौड़ नहीं है, बल्कि यह एक पीढ़ी को संवारने की प्रक्रिया है। लेकिन जब यह प्रक्रिया मुनाफाखोरी के जाल में फँस जाए, तो न केवल एक छात्र का भविष्य दांव पर लग जाता है,बल्कि अभिभावकों का भरोसा और सामाजिक विश्वास भी दरक जाता है। हाल ही में हरियाणा के हिसार में स्थित नामी कोचिंग संस्थान एलेन कैरियर इंस्टीट्यूट पर लगे आरोपों ने इसी हकीकत को उजागर किया है।

गंभीर आरोप,गहरी निराशा

कुछ अभिभावकों ने आरोप लगाया है कि एलेन संस्थान ने न केवल उनके बच्चों का एक वर्ष बर्बाद कर दिया, बल्कि अब फीस की जबरन वसूली की जा रही है। उनका कहना है कि क्लासरूम्स में पढ़ाई का स्तर बेहद कमजोर था, अनुभवी शिक्षकों की जगह बार-

बार स्टाफ बदला गया और छात्रों को कोई ठोस मार्गदर्शन नहीं मिला। कोचिंग में दाखिला लेते समय जो वादे किए गए थे, वे सिर्फ प्रचार का हिस्सा थे। जब इन खामियों की शिकायत की गई, तो संस्थान के प्रबंधकों ने रिफंड देने से साफ इनकार कर दिया और उल्टे कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। यह कोई एक संस्थान की कहानी नहीं है, बल्कि कोचिंग उद्योग में व्याप्त एक व्यापक समस्या की मिसाल है।

कोचिंग उद्योग: एक बेताज बादशाह

पिछले दो दशकों में देश में कोचिंग इंडस्ट्री ने एक समानांतर शिक्षा व्यवस्था का रूप ले लिया है। राजस्थान के कोटा से लेकर दिल्ली, हैदराबाद, पटना, और अब छोटे शहरों जैसे हिसार तक, कोचिंग सेंटरों की भरमार हो गई है। इनमें से कई संस्थान अपने आप को इंडियास नंबर-1 बताकर करोड़ों का कारोबार कर रहे हैं। जेईई, नीट, यूपीएससी, बोर्ड परीक्षाएं–हर परीक्षा की तैयारी के लिए एक ब्रांड मौजूद है। लेकिन जब शिक्षा का यह मॉडल केवल व्यवसायिक हितों पर टिका हो, तो नतीजे भयावह होते हैं।

अभिभावकों की मजबूरी और छात्रों पर दबाव

आजकल लगभग हर अभिभावक अपने बच्चों को किसी न किसी कोचिंग संस्थान में भेजने को मजबूर हैं। सरकारी स्कूलों और कई प्राइवेट स्कूलों की गुणवत्ता इतनी गिर चुकी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग ही एकमात्र विकल्प बचा है। ऐसे में कोचिंग संस्थान मनमानी फीस वसूलते हैं–कभी 1 लाख, कभी 3 लाख, और कभी-कभी इससे भी ज़्यादा। इस प्रक्रिया में न केवल मध्यवर्गीय और निम्न-मध्यम वर्गीय परिवार आर्थिक रूप से टूटते हैं, बल्कि बच्चे मानसिक दबाव, अवसाद और आत्मसम्मान की जटिलताओं से भी जूझते हैं। कोटा जैसे शहरों में आत्महत्याओं की बढ़ती घटनाएं इसका कड़वा प्रमाण हैं।

रेगुलेशन का अभाव: सरकार की चुप्पी

भारत में कोचिंग संस्थानों के लिए कोई ठोस नियामक प्रणाली नहीं है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो अरबों का कारोबार करता है, लेकिन जिस पर न कोई शैक्षणिक नियंत्रण है, न प्रशासनिक। न तो इनके पाठ्यक्रमों की निगरानी होती है,न ही इनकी फीस संरचना पर कोई नियम लागू होता है। यह शिक्षा के नाम पर चलने वाला मुनाफाखोरी का कारोबार बन चुका है। हिसार में जो कुछ हुआ, वह इसलिए संभव हो सका क्योंकि संस्थान को यह यकीन है कि उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं होगी। स्थानीय प्रशासन, शिक्षा विभाग और सरकार की भूमिका केवल नोटिस भेजने तक सीमित रहती है, और अंततः यह नोटिस भी फाइलों में दफन हो जाते हैं।

उपभोक्ता अधिकार और शिक्षा का सवाल

एक समय था जब शिक्षा को सेवा माना जाता था, लेकिन अब यह एक पूर्ण उपभोक्ता उत्पाद बन चुकी है। ऐसे में क्या छात्रों और अभिभावकों के पास उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत अपने अधिकारों का उपयोग करने का विकल्प नहीं होना चाहिए? क्या शिक्षा सेवा देने वाले संस्थानों को गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही के मानकों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए? यदि कोई छात्र एक वर्ष तक पढ़ाई करता है और अंत में उसे यही पता चलता है कि उसे गुमराह किया गया, तो क्या उसे न्याय नहीं मिलना चाहिए? क्या फीस वापसी एक बुनियादी उपभोक्ता अधिकार नहीं है?

समाधान की दिशा में

रेगुलेटरी बॉडी की स्थापना: सरकार को कोचिंग संस्थानों के लिए एक केंद्रीय नियामक संस्था बनानी चाहिए जो इनकी मान्यता, फीस ढांचा, फैकल्टी योग्यता, और शिकायत निवारण व्यवस्था की निगरानी करे। फीस नियंत्रण कानून- जैसे निजी स्कूलों के लिए फीस नियंत्रण समितियाँ बनी हैं, उसी प्रकार कोचिंग संस्थानों के लिए भी राज्य स्तरीय समितियाँ बनाई जानी चाहिए जो शुल्क को लेकर पारदर्शिता सुनिश्चित करें।

रिफंड और शिकायत प्रणाली: प्रत्येक संस्थान को छात्र और अभिभावकों की शिकायतों को सुनने और उचित रिफंड नीति लागू करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य सहायता: छात्रों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए, कोचिंग संस्थानों में काउंसलिंग सेवाएं अनिवार्य की जानी चाहिए।

स्थानीय निगरानी समितियाँ: जिला स्तर पर शिक्षाविदों,प्रशासनिक अधिकारियों और सामाजिक संगठनों की समितियाँ बनाई जाएँ जो इन संस्थानों की नियमित समीक्षा करें।

शिक्षा सेवा है,व्यापार नहीं

हिसार की घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम शिक्षा को एक सेवा के रूप में देख पा रहे हैं या वह केवल एक बाजार उत्पाद बन चुकी है। जब तक कोचिंग इंडस्ट्री को रेगुलेट नहीं किया जाएगा, तब तक न जाने कितने अभिभावक आर्थिक रूप से टूटते रहेंगे और न जाने कितने छात्रों का भविष्य अधर में लटकता रहेगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करवाना नहीं है, बल्कि यह नैतिकता,जवाबदेही और सामाजिक न्याय के मूल्यों की भी शिक्षा होनी चाहिए। यदि यह खुद अन्याय और लालच का केंद्र बन जाए, तो यह पूरे समाज के लिए एक खतरे की घंटी है। अब समय आ गया है कि सरकार,समाज और शिक्षा विशेषज्ञ मिलकर इस 'अनियंत्रित उद्योग' को दिशा दें, ताकि हर बच्चे को न केवल परीक्षा की तैयारी मिले, बल्कि जीवन की तैयारी भी।

कविता
अभियान और हताशा

घटती-घटना

चंद्रकांत खूटे
जांजगीर,चांपा
छत्तीसगढ़

बीते वर्षा के दिनों पर
देश-प्रदेश में एक मुहिम चालू था
एक पेड़ माँ के नाम
वचन कितना कृपालु था।
सुर्खियाँ लिखी दिखती
देश के हर राष्ट्रीय अखबार में
हरा-देश हरा-प्रदेश
नर-पशुओं के शुभचिंतक जोरदार से।
नेता-अभिनेताओं ने भी
टीवियों पर अभियान चलाएँ थे
संवाददाताओं ने चीख-चीखकर
जनमानस को समझाएं थे
गुण-दोष पर विस्तृत चर्चा
खूब करते विशेषज्ञों की टोली थी
बैनर-पोस्टरों से लदे शहर
रेडियों की भी अनुपम बोली थी
पर लुप्त हो गए नेता-अभिनेता
गायब वो अभियान है
रिपोर्टर लगे चाटुकारिता में
विशेषज्ञ लेने गये सम्मान है।
विशाल जंगल उजड़ थे (छ.ग,तेलं.)
शुभचिंतक सारे गायब है।
माँ को ही मारने लगे
जो कुर्सी पर बैठे साहब है।

कविता
जियो और जीने दो मेरे यार

घटती-घटना

उदय किशोर साह
जयपुर,
बांका,बिहार

मत करना जग में कोई मनमानी
वर्ना मिट जायेगी तेरी वजूद कहानी
लुट जायेगी एक दिन प्रेम भरी वाणी
रूक जायेगी जीवन की रवानी
मनमानी का जिसने है बनाया हथियार
खंडहर बन गया है उनका घर द्वार
मानवता पर किया है जिस जिसने वार
मिट गया है उनका भी यहाँ पे संसार
मनमानी कर अहंकार व्यर्थ है करना
सुख जाती है उनका सुख समृद्धि झरना
पाप कर्म से है सदैव ही जग मे डरना
क्योंकि जग में है इक दिन सबको मरना
चलो मानवता की पाठ सब पढ़ आयें
भल मानस की मूरत गढ़ कर दिखायें
ईष्या द्वेष को यहाँ जड़ से मिटा आयें
मानव हैं मानव के सब काम आयें
ये जग है पाप पुण्य का खुला दरवार
मिट जाता है जीवन का सब संसार
आओ बाँटे मानव में मानवता का प्यार
जीयो और जीने दो सब को मेरे यार

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

भारतीय साहित्य में समकालीन महिलाओं की आवाजें

विजय गर्ग
चांद मलोट
पंजाब

भारतीय साहित्य में महिलाओं की आवाज विविध आख्यानों में योगदान करती है और सामाजिक मानदंडों को चुनौती देती है। भारत में महिलाओं के लेखन का विकास प्राचीन से समकालीन समय तक फैला हुआ है। यह यात्रा बदलती धारणाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण को दर्शाती है।ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्राचीन साहित्य प्राचीन भारत में, महिला कवियों और विद्वानों ने उल्लेखनीय योगदान दिया। वेदों और उपनिषदों जैसे ग्रंथों में उनके कौशल की विशेषता है। लोपामुद्रा,गार्गी और मैत्रेयी प्रमुख आंकड़े हैं। उनके कार्यों ने भविष्य की महिलाओं के लेखन की नींव रखी। मध्यकालीन काल भक्ति आंदोलन ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण युग को चिह्नित किया। इसने महिला लेखकों को आध्यात्मिक और सामाजिक विषयों को व्यक्त करने का अधिकार दिया। उल्लेखनीय कवियों में मीराबाई और अक्का महादेवी शामिल हैं। उन्होंने सामाजिक सम्मेलनों को चुनौती दी और दिव्य प्रेम का जश्न मनाया। उनकी कविता समकालीन चर्चाओं में प्रभावशाली बनी हुई है। औपनिवेशिक युग ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने महिलाओं की शिक्षा और साहित्यिक अभिव्यक्ति को प्रभावित किया। इसने महिलाओं को लिखने और प्रकाशित करने के लिए रास्ते खोले। सरोजिनी नायडू इस दौरान एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उभरी थीं। उनकी कविता ने राष्ट्रवादी विषयों और व्यक्तिगत अनुभवों को संबोधित किया। कमला दास को भी महिलाओं के मुद्दों और पहचान पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रमुखता मिली। क्षेत्रीय साहित्य भारतीय साहित्य क्षेत्रीय आख्यानों से समृद्ध है। विभिन्न भाषाओं की महिला लेखक योगदान करती हैं। इस्मत चुग़ताई ने उर्दू में लिखा, जो सामाजिक मुद्दों को दर्शाता है। कमला मार्कंडेय ने अपनी मार्मिक कहानियों के साथ अंग्रेजी साहित्य का प्रतिनिधित्व किया। तमिल लेखक बामा जाति और लिंग की

गतिशीलता की पड़ताल करता है। महिला साहित्य में विषय नारीवाद और लिंग मुद्दे महिलाओं का साहित्य अक्सर पितृसत्ता और लैंगिक भूमिकाओं की पड़ताल करता है. लेखक सामाजिक मानदंडों को चुनौती देते हैं और महिलाओं के अधिकारों की वकालत करते हैं। उनके कार्य परिवर्तन को प्रेरित करते हैं और लिंग मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं। पहचान और अंतर जाति, वर्ग और धार्मिक पहचान का प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है। महिला लेखक व्यक्तिगत और राजनीतिक कथाओं को आपस में जोड़ते हैं। यह अंतर्द्वंद्व साहित्य में पहचान पर प्रवचन को समृद्ध करता है। सांस्कृतिक विरासत और परंपरा लोकगीत और पौराणिक कथाएं साहित्य में महिलाओं की आवाज़ को आकार देती हैं। लेखक पारंपरिक आख्यानों को नारीवादी दृष्टिकोण से पुन- व्याख्या करते हैं। यह पुनः परीक्षा सांस्कृतिक विरासत के बारे में नई महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है। साहित्यिक रूप और शैली कविता कविता आत्म-अभिव्यक्ति के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में कार्य करती है। यह महिलाओं को अपने अनुभवों को खुलकर आवाज देने की अनुमति देता है। कमला दास एक उल्लेखनीय कवि हैं जिन्होंने प्रेम और पहचान के बारे में लिखा है। उसका काम कई पाठकों के साथ प्रतिध्वनित होता है। कल्पना उपन्यास और लघु कथाएँ महिलाओं के जीवन की जटिलताओं को दर्शाती हैं। ऐतिहासिक कथा और जादुई यथार्थवाद सहित विभिन्न शैलियों की खोज की जाती है। लेखक समृद्ध नैरेटिव बनाते हैं जो सामाजिक चुनौतियों को दर्शाते हैं। गैर-कथा और संस्मरण आत्मकथात्मक लेखन और निबंधों ने प्रमुखता प्राप्त की है। महिला लेखक व्यक्तिगत अनुभवों और सामाजिक टिप्पणियों का दस्तावेजीकरण करती हैं। उनके कार्य समकालीन मुद्दों के बारे में मूल्यवान महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। समाज पर प्रभाव जागरूकता बढ़ाने में महिला साहित्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह लैंगिक असमानता और जातिगत भेदभाव जैसे सामाजिक मुद्दों को संबोधित करता है। इन लेखों का प्रभाव नारीवादी आंदोलनों तक है। वे सांस्कृतिक प्रवचन को आकार देते हैं और भारत में सक्रियता को प्रेरित करते हैं। शिक्षा पर महिला साहित्य का प्रभाव महिला साहित्य ने शैक्षिक आख्यानों को बदल दिया है। यह पाठ्यक्रम में विविध आवाज़ों को शामिल करने को प्रोत्साहित करता है। यह बदलाव छात्रों के बीच महत्वपूर्ण सोच और जागरूकता को बढ़ावा देता है। भारतीय महिला लेखकों की वैश्विक मान्यता भारतीय महिला लेखक अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल कर रही हैं। उनके कार्यों का कई भाषाओं में अनुवाद किया जाता है। यह वैश्विक आउटरीच उनकी आवाज़ और दृष्टिकोण को बढ़ाता है। भारतीय साहित्य में महिलाओं की आवाज़ों का भविष्य भारत में महिला साहित्य का भविष्य आशाजनक दिखता है। लेखकों की नई पीढ़ियां उभरती रहती हैं. वे नए विचार लाते हैं और मौजूदा आख्यानों को चुनौती देते हैं। डिजिटल युग उनके काम के व्यापक प्रसार के लिए मंच प्रदान करता है। साहित्यिक त्योहारों की भूमिका भारत में साहित्यिक त्योहार महिलाओं की आवाज मनाते हैं। वे लेखकों को अपना काम साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। ये घटनाएं लिंग और साहित्य पर चर्चा को प्रोत्साहित करती हैं। वे लेखकों के बीच नेटवर्किंग को भी प्रोत्साहित करते हैं। महिला साहित्य और सोशल मीडिया सोशल मीडिया ने साहित्यिक जुड़ाव को बदल दिया है। महिला लेखक व्यापक दर्शकों तक पहुंचने के लिए इन प्लेटफार्मों का उपयोग करती हैं। वे अपना काम साझा करते हैं और सीधे पाठकों से जुड़ते हैं। यह बातचीत समुदाय और समर्थन को प्रोत्साहित करती है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भगवान महावीर के जियो और जीने दो के संदेश के साथ निकाली गई शोभायात्रा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

दिगम्बर व श्वेतंबर समाज द्वारा गुरुवार को भगवान महावीर की जयंती मनाई गई। इस दौरान शहर में शोभायात्रा निकाली गई। समाज के लोगों ने भगवान महावीर के जियो और जीने दो के संदेश के नारे लगाते हुए शोभायात्रा जैन मंदिर चोपड़ा पारा से निकाली गई। जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गुजरी। इस दौरान शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। शोभायात्रा में बैंड बाजे की धून पर काफी संख्या में महिलाएं, पुरुष व बच्चे नाचते-गाते शामिल हुए। शोभायात्रा में शामिल बच्चों की झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। इस दौरान सकल जैन परिवार, दिगम्बर

जैन परिवार,श्वेतांबर जैन परिवार, तेरापंथी जैन परिवार,युवक परिषद ,महिला मंडल एवं अणुव्रत समिति का विशेष रूप से योगदान रहा। इस अवसर पर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक कुमार जैन, श्वेतांबर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष मनोज कुमार डागा,राजेश जैन, महावीर जैन,डॉ एमके जैन, अनिल कुमार जैन,किशोर जैन, राहुल जैन,अतुल जैन,रामू जैन, विक्रांत जैन,विक्रम जैन,ऋषभ, डॉ अंजू गोयल,सुनीता जैन,अलका जैन,सुषमा जैन शामिल रहे। वहीं भगवान महावीर की जयंती के पूर्व संध्या पर बुधवार को जैन मंदिर चोपड़ा पारा में बच्चों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें भगवान महावीर स्वामी के जीवन शिक्षा एवं अहिंसा के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा भजन, नाटक, नृत्य आदि कि प्रस्तुति दी गई। कार्यकर्म की शुरुआत प्रजापिता ब्रह्म कुमारी की विद्या दीदी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात प्रमाणिक पाठशाला के बच्चों द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति दी गई।

प्रकृति के प्रतीक सरहुल पर्व पर निकाली की शोभायात्रा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

पारंपरिक आस्था और प्रकृति के प्रति गहन श्रद्धा का प्रतीक सरहुल पर्व के अवसर पर गुरुवार को सनातनी उरांव जनजाति द्वारा शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान समाज के लोगों ने पारंपरिक परिधान में शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा शहर के पटेल पारा से निकलकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सरनास्थल शंकर घाट पहुंची। जहां पूजा अर्चना के साथ समाप्त हुए। शोभायात्रा के दौरान धरती माता और सरना माता की जयकारे लगाए। उरांव समाज के उपाध्यक्ष शशी खेस ने बताया कि आदिवासियों के लिए सबसे बड़ा पर्व सरहुल है। यह पर्व उरांव जनजाति की गहन सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना को दर्शाता है। सरहुल को धरती पूजा के नाम से भी जाना जाता है।

बोर्ड परीक्षा में नंबर बढ़वाने के नाम पर आ रहे साइबर गिरोह के कॉल,रहें सावधान!

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

साइबर ठगों द्वारा ठगी के नए-नए तरीके अजमाए जा रहे हैं। कक्षा 10 वीं व 12 वीं बोर्ड परीक्षा में नंबर बढ़ाने के नाम पर पालकों के पास फोन आ रहे हैं। सूरजपुर सहित अन्य जिलों में इस तरह के फर्जी कॉल पालकों के पास आ चुके हैं। इस मामले को सरगुजा एसपी योगेश पटेल ने गंभीरता से लेते हुए जिले के लोगों को ऐसे कॉल पर विश्वास न करने और झांसे में न आने की अपील की है।

सरगुजा एसपी ने लोगों से अपील किया है कि वर्तमान में 10 वीं,12 वीं बोर्ड परीक्षा के बाद सायबर ठग नए प्रकार की ठगी की घटना कारित कर रहे हैं। कुछ दिनों पूर्व अन्य जिले में बोर्ड की परीक्षा दे चुके बच्चों के पालकों को अनजान नम्बरों से फोन कॉल आए और फोन कॉल में साइबर ठग बच्चों को बोर्ड परीक्षा में पास करवाने की जिम्मेदारी लेकर पालकों से एक निश्चित रकम की मांग की गई है। सायबर ठग विद्यार्थियों के पालकों को फोन कर 5 से 10 हजार की डिमांड किए जा रहे हैं।

गिरोह परीक्षा परिणाम से जुड़ी फर्जी कॉल्स के जरिए छात्रों और उनके अभिभावकों को झांसे में लेकर ठगी की वारदात को अंजाम देते हैं। ये फर्जी कॉलर खुद को शिक्षा मंडल का अधिकारी या किसी प्रभावशाली व्यक्ति से जुड़ा होना बताकर कहते हैं कि वे नंबर बढ़वा सकते हैं या फेल हुए छात्र को पास करवा सकते हैं। सरगुजा एसपी ने जिले के लोगों से अपील की है कि ऐसे कॉल अपने पर झांसे में न आएं और इसकी जानकारी तत्काल संबंधित थाने को दें।

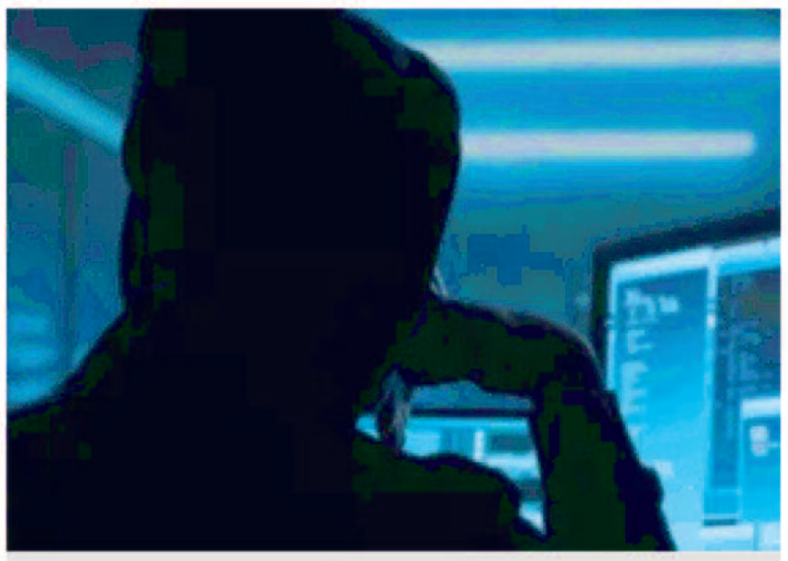

इन बातों का रखें ध्यान

कोई भी अज्ञात कॉलर यदि परीक्षा परिणाम या नंबर बढ़ाने की बात करे,तो सर्वप्रथम अपनी बैंकिंग जानकारी ओटीपी,यूपीआइ डिटेल्स ना दें। अफवाह फैलाने से बचें। हर सूचना की पुष्टि स्कूल या परीक्षा केंद्र से करें। अगर आपका भी बच्चा बोर्ड परीक्षा में शामिल हुआ है तो आपको जागरूक होने की अवश्यकता है। विद्यार्थी और पालक ऐसे फर्जी कॉल कों ध्यान ना दे उक्त नंबर को तत्काल ब्लॉक करें। साथ ही साइबर के ऑनलाइन जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत सूचना देकर नजदीकी पुलिस स्टेशन अथवा साइबर सेल में भी सूचना प्रदान करें।

तेज आंधी-पानी में उड़े घरों के छप्पर व शेड

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में पिछले दो दिनों से दोपहर के बाद अचानक मौसम बदल रहा है। तेज आंधी के साथ बारिश हो रही है। तेज आंधी-तूफान के कारण कई घरों के छप्पर व शेड उड़ गए हैं।

बुधवार की तरह ही गुरुवार को भी दोपहर बाद मौसम में बदलाव देखा गया और तेज आंधी के साथ बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार अंबिकापुर में 1.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। वहीं अधिकतम व न्यूनतम तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव व पश्चिमी भारत में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण सरगुजा संभाग में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। भीषण गर्मी व नमी के कारण पिछले दो दिनों से दोपहर के बाद मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। पूरे दिन तेज धूम के बाद दोपहर के बाद आसमान में बादल छा रहे हैं और तेज आंधी के साथ बारिश हो रही है। गुरुवार को भी यह स्थिति बनी रही।

तेज आंधी-तूफान के कारण कई घरों के छप्पर व शेड उड़ गए हैं। वहीं पेड़ गिरने व विद्युत तार टूटने से कई क्षेत्रों में घंटों बिजली गुल रही। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम का मार ज्यादा देखा गया।

महापौर कप आगामी अनुकूल समय तक के लिए किया गया स्थगित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

कमल युवा वाहिनी द्वारा अम्बिकापुर नगर निगम के 48 वार्डों के वार्ड टीम का रात्रिकालीन क्रिकेट मैच (महापौर कप) का आयोजन आज 10 अप्रैल से निर्धारित समय पर शुरू होना सुनिश्चित किया गया था , परन्तु मौसम परिवर्तन के साथ बारिश के कारण इस मैच को आगामी अनुकूल समय तक के लिए स्थगित किया गया है ।

कमल वाहिनी के सदस्य अनीश सिंह ने बताया कि महापौर कप क्रिकेट मैच प्रतियोगिता के लिए नई तिथि और समय की सूचना शीघ्र ही दर्शक एवं संबंधित सभी पक्षों को दी जाएगी।

इसलिए आयोजन समिति के अनीश सिंह ने सभी से धैर्य बनाए रखने एवं आगामी सूचना तक प्रतीक्षा करने का अनुरोध किया है ।

नए कानून में तकनीकी सहायता से करें विवेचना, वीडियो रिकॉर्डिंग आवश्यक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा गुरुवार को रक्षित केंद्र अम्बिकापुर स्थित सभाकक्ष में नवीन कानून संहिता के सम्बन्ध में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिले के समस्त विवेचकों को नवीन कानून संहिता की बारीकियों से परिचय कराया गया। पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि नये कानूनों में प्रथम सूचना पत्र दर्ज करने से लेकर जब्ती, आरोपी की गिरफ्तारी की कार्रवाई में कई तकनिकी सहायता से विवेचना किया जाना है। जैसे जब्ती की सारी प्रक्रियाओं में वीडिओ रिकॉर्डिंग किया जाना है। जिसमें गवाहों के समक्ष किसी वस्तु को बरामद कर विडिओ रिकॉर्डिंग को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गवाहों के न्यायालय में पक्ष द्रोही होने से रोका जा सकेगा, कार्यशाला के दौरान सभी विवेचना से नये कानूनों के विवेचना के दौरान आने वाली परेशानियों को पूछा गया। साथ ही चेक लिस्ट के आधार पर की जाने वाली कार्रवाई के बारे में भी विवेचकों को अवगत कराया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो,एडीपीओ अम्बिकापुर श्रुति कांबले,रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत,थाना प्रभारी उदयपुर कुमारी चंद्राकर,थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, उप निरीक्षक (एम) अभय सिंह, सहायक उप निरीक्षक सुभाष ठाकुर, सहित विभिन्न थाना चौकियों में पदस्थ विवेचक एवं वरिष्ठ आरक्षक उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव के प्रथम आगमन पर भाजपा सरगुजा ने किया भव्य स्वागत

जनसेवा को समर्पित कार्यकर्ता को मिली बड़ी जिम्मेदारी,भाजपा कार्यकर्ताओं में उल्लास का माहौल

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव के अध्यक्ष छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल बनने के बाद जिला में प्रथम आगमन पर भाजपा सरगुजा द्वारा संकल्प भवन में उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया ।

जयघोष के साथ निकली भव्य स्वागत रैली अनुराग सिंह देव के तारा बॉर्डर प्रवेश से लेकर बीच में कई जगहों पर स्वागत के बाद संकल्प भवन पहुंची,जहाँ ढोल-नगाड़ों,पुष्प वर्षा और पटाखों के साथ भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

आयोजित स्वागत सभा में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि सरगुजा के जमीनी कार्यकर्ता को प्रदेश सरकार द्वारा इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपना न केवल सरगुजा भाजपा के लिए गौरव की बात है,बल्कि यह हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा है। इसके लिए हम मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हैं।

अनुराग सिंह देव ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाजपा संगठन ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, वह मेरे लिए सौभाग्य है। मैं सदैव कार्यकर्ताओं के बीच रहकर जनसेवा और विकास को प्राथमिकता दूंगा।

सीतापुर विधायक राम कुमार टोप्पो ने कहा...

अनुराग सिंह देव जैसे संघर्षशील और जमीनी कार्यकर्ता को सम्मानित कर भाजपा ने यह संदेश दिया है कि मेरी यह नियुक्ति भाजपा की संगठनात्मक शक्ति और कार्यकर्ता आधारित राजनीति की जीत है।

पूर्व सांसद कमलभान सिंह ने कहा...

यह नियुक्ति भाजपा की उस परंपरा का प्रमाण है जिसमें समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं की निष्ठा को पहचानती है। हमें विश्वास है कि वे अपने दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करेंगे।

अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने अपने विचार रखते हुए कहा

हम सबके लिए यह गौरव का विषय है कि सरगुजा को राज्य सरकार में ऐसा प्रतिनिधित्व मिला है। महिलाओं,युवाओं और जरूरतमंदों के लिए उनके कार्य प्रेरणास्पद रहेंगे।

कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला संवाद प्रमुख संतोष दास ने किया। आभार प्रदर्शन करते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष शअम्बिकेश केशरी ने कहा आज का यह आयोजन हमारे कार्यकर्ताओं के उत्साह, समर्पण और संगठन के प्रति प्रेम का प्रतीक है। हम सब श्री अनुराग सिंह देव के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हैं।

इस कार्यक्रम मे हरमिंदर सिंह (टिन्नी), फुलेश्वरी सिंह , कमलेश तिवारी,मनोज कंसारी, शशि जायसवाल,जनमेजय मिश्रा, निश्चल प्रताप सिंह, रूपेश दुबे, निरंजन राय, अवधेश सोनकर, मनोज प्रसाद, तजिंदर सिंह,धनंजय मिश्रा, सतीश शर्मा, अजय सिंह,त्रिलोचन सदावर्ती, विकास सोनी,मधु चौदहा,रश्मि जायसवाल, माया मिश्रा, शकुंतला पाण्डेय,प्रियंका चौबे,शालिनी सिंह, इंदु नेताम,अर्चना सिंह,संगीता कंसारी,सीमा कश्यप,पूनम सिंह, सरिता जायसवाल एवं भाजपा महिला मोर्चा,युवा मोर्चा,अनुसूचित जाति मोर्चा, किसान मोर्चा, पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से तलाक की अफवाहों पर पत्नी मिशेल ओबामा ने तोड़ी चुप्पी,कहा...मैंने खुद को चुना...

वॉशिंगटन,10 अप्रैल 2025। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा के तलाक की अफवाहों ने हाल के दिनों में सुर्खियां बटोरी थीं। इन अटकलों पर अब मिशेल ओबामा ने खुलकर अपनी बात रखी है। अभिनेत्री सोफिया बुश के साथ एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में मिशेल ने स्पष्ट किया कि उनकी हालिया अनुपस्थिति का कारण तलाक नहीं, बल्कि खुद पर ध्यान देना और अपनी जिंदगी को अपने तरीके से जीना है।

अफवाहों का दौर और मिशेल की अनुपस्थिति

पिछले कुछ समय से मिशेल ओबामा की कई प्रमुख कार्यक्रमों में गैरमौजूदगी ने तलाक की खबरों को हवा दी थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह और जनवरी में पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के अंतिम संस्कार जैसे आयोजनों में बराक ओबामा अकेले नजर आए थे। इन घटनाओं ने दोनों के रिश्ते पर सवाल खड़े किए थे, जबकि बराक और मिशेल को हमेशा एक आदर्श जोड़े के रूप में देखा जाता रहा है।

मैं अब अपनी जिंदगी खुद संभालती हूं...

मिशेल ने पॉडकास्ट में कहा,अब मैं अपना कैलेंडर खुद तय करती हूं। यह आजादी मैं पहले भी ले सकती थी, लेकिन बच्चों की परवरिश और जिम्मेदारियों के चलते ऐसा नहीं कर पाई। अब मैंने वही चुना जो मेरे लिए सही है, न कि वह जो लोग मुझसे चाहते हैं। उन्होंने तलाक की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा

कि यह लोगों की उस सोच का नतीजा है जो महिलाओं की स्वतंत्रता को स्वीकार नहीं कर पाती। लोगों ने मेरे आत्म-ध्यान को तलाक से जोड़ दिया, जो महिलाओं के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती को दर्शाता है।

बराक का खुलासा और रिश्ते की सच्चाई

बराक ओबामा ने पहले स्वीकार किया था कि उनके राष्ट्रपति काल में वह मिशेल के साथ रिश्ते पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाए। दंपति ने अपनी किताब माय बिकमिंग में भी खुलासा किया था कि बराक के राजनीतिक सफर के दौरान उनके रिश्ते में तनाव और चिड़चिड़ापन आया था। हालांकि, मिशेल के हालिया बयान से साफ है कि उनकी प्राथमिकता अब खुद को समय देना है,न कि रिश्ते को खत्म करना।

टैरिफ युद्ध के बीच भारत को राहत,ट्रंप के सहयोगी ने दिया पॉजिटिव रिएक्शन

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2025। अमेरिका और चीन के बीच चल रहे टैरिफ युद्ध के बीच भारत के लिए एक बढ़िया खबर सामने आई है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि भारत,जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश व्यापार वार्ता में सबसे आगे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि टैरिफ में बढ़ोतरी केवल किसी एक देश के खिलाफ नहीं,बल्कि वैश्विक व्यापार में गड़बड़ी फैलाने वाले तत्वों के लिए की गई है। बेसेंट ने कहा, चीन आधुनिक इतिहास की सबसे असंतुलित अर्थव्यवस्था है और अमेरिकी व्यापार असंतुलन का प्रमुख कारण है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसका जवाब साहस के साथ दिया है।

उन्होंने बताया कि अमेरिका अब अपने व्यापारिक साझेदारों,खासकर भारत जैसे देशों के साथ मिलकर समाधान निकालने पर ध्यान दे रहा है। बेसेंट के अनुसार, टैरिफ वृद्धि बुरे खिलाड़ियों के लिए है,जबकि भारत जैसे सहयोगी देशों के साथ सकारात्मक वार्ता जारी है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि ट्रंप की रणनीति के तहत 75 से अधिक देश व्यापार वार्ता में शामिल होने को तैयार हैं। इन देशों के लिए 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ को कम करने की योजना है, जबकि चीन पर शुल्क 125 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

इसके अलावा, 90 दिनों की वार्ता अवधि तय की गई है, जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप व्यक्तिगत रूप से शामिल होंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, टैरिफ लागू होने के बाद यह आशंका थी कि दुनिया चीन के करीब जाएगी, लेकिन वास्तव में इसके उलट हुआ। सभी देश अमेरिका के बाजारों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने ट्रंप की दीर्घकालिक रणनीति की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह अमेरिकी श्रमिकों के हित में है। भारत के लिए यह स्थिति व्यापारिक अवसरों को बढ़ाने और अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करने का सुनहरा मौका लेकर आई है।

अमेरिका-रूस में कैदियों की अदला-बदली,राजद्रोह के आरोप में सजा काट रही महिला कैरेलिना रिहा

मॉस्को,10 अप्रैल 2025। अमेरिका और रूस के बीच कैदियों की अदला-बदली हुई है। दोनों देशों के बीच हुए समझौते के बाद रूस ने राजद्रोह के आरोप में सजा काट रही अमेरिकी-रूसी दोहरी नागरिकता वाली महिला केसिया कैरेलिना को रिहा किया। जबकि अमेरिका ने भी एक रूसी नागरिक को रिहा किया।

महिला के वकील और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि केसिया कैरेलिना अमेरिका वापसी के लिए विमान में सवार हैं। महिला को फरवरी 2024 में रूस के येकातेरिनबर्ग में गिरफ्तार किया गया था। उसे यूक्रेन की सहायता करने वाली एक चैरिटी को लगभग 52 डॉलर का दान देने के आरोप में देशद्रोह का दोषी ठहराया गया था। हालांकिक अमेरिकी अधिकारियों ने उसके खिलाफ मामले को हास्यास्पद बताया।

बताया जाता है कि कैरेलिना एक पूर्व बैले डांसर हैं। उन्होंने एक अमेरिकी से शादी की और लॉस एंजिलिस जाने के बाद अमेरिकी नागरिकता प्राप्त की। वह पिछले साल अपने परिवार से मिलने के लिए रूस लौटीं तो उनको गिरफ्तार किया गया था। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा ने उन पर एक यूक्रेनी संगठन के लिए धन इकट्ठा करने का आरोप लगाया था।

कैरेलिना के वकील मिखाइल मुशैलोव ने कहा कि वह अबू धाबी संयुक्त अरब अमीरात से अमेरिका के लिए उड़ान भर रही हैं। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने कहा कि आज राष्ट्रपति ट्रंप रूस से एक और गलत तरीके से हिरासत में लिए गए अमेरिकी को घर ले आए। मुझे सीआईए अधिकारियों पर गर्व है जिन्होंने इस प्रयास का समर्थन करने के लिए प्रयास किया। हम इस आदान-प्रदान को सक्षम करने के लिए, सरकार की सराहना करते हैं।

वहीं अमेरिका ने बदले में एक जर्मन-रूसी नागरिक आर्थर पेट्रोव को रिहा कर दिया। उसे 2023 में साइप्रस में संवेदनशील माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यात के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। दोनों कैदियों की अदला-बदली अबूधाबी में हुई। इससे पहले दिसंबर 2022 में अमेरिकी बास्केटबॉल स्टार ब्रिटनी ग्रिनर को कुख्यात रूसी हथियार डीलर विक्टर बाउट के बदले रिहा किया गया।

शेख हसीना और उनकी बेटी की बढ़ीं मुश्किलें,अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में जारी किया एक और वारंट

ढाका,10 अप्रैल 2025। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें बढ़ रही हैं। बांग्लादेश की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व पीएम शेख हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजेद पुतुल और 17 अन्य के खिलाफ एक और गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसमें उन पर धोखाधड़ी से आवासीय भूखंड हासिल करने का आरोप लगाया गया है। मामले को लेकर भ्रष्टाचार निरोधक आयोग की ओर से दायर चार्जशीट को ढाका मेट्रोपॉलिटन सीनियर स्पेशल जज जाकिर हुसैन गालिब ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा कि आरोपी फरार हैं, इसलिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक आयोग के अभियोजक मीर अहमद सलाम ने बताया कि मेट्रोपॉलिटन सीनियर स्पेशल जज मोहम्मद जाकिर हुसैन गालिब ने वारंट जारी किया है।

भारत निर्वाचन आयोग का व्यापक जमीनी प्रशिक्षण कार्यक्रम तेज़ी पकड़ रहा है...

- **पश्चिम बंगाल के 217 बीएलओ, 2 डीईओ और 12 ईआरओ का प्रशिक्षण IIIDEM में प्रारंभ**
- **मीडिया और सोशल मीडिया नोडल अधिकारियों एवं जिला पीआरओ के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम संपन्न**

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

आज से IIIDEM (इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट) में पश्चिम बंगाल से आए 2 जिला निर्वाचन अधिकारी (DEOs), 12 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (EROs) और 217 बूथ लेवल अधिकारी (BLOs) के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। यह पहल, आयोग द्वारा 4 मार्च को IIIDEM में आयोजित सीईओ सम्मेलन में परिकल्पित जमीनी चुनाव अधिकारियों की क्षमता वृद्धि के व्यापक प्रशिक्षण योजना का हिस्सा है।

इसके अतिरिक्त, मीडिया नोडल अधिकारियों,सोशल मीडिया नोडल अधिकारियों और जिला जनसंपर्क अधिकारियों के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आज IIIDEM,नई दिल्ली में संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बदलते मीडिया परिदृश्य में चुनाव अधिकारियों के बीच समन्वय और तैयारी को सशक्त बनाना था।

28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से आए मीडिया अधिकारियों ने इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका उद्देश्य एक प्रभावी संचार रणनीति विकसित करना है ताकि सूचना सक्रिय रूप से प्रसारित की जा सके,गलत सूचना का मुकाबला किया जा सके,और विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से मतदाता जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके कृ यह सब विधिक ढांचे (RP अधिनियम 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960, निर्वाचन संचालन नियम 1961 और आयोग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों) के अनुरूप किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने अपने संबोधन में यह स्वीकार करते हुए कि मीडिया चुनाव प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भागीदार है, तथ्यात्मक,समय पर और पारदर्शी संचार की महत्ता को रेखांकित किया, जिससे मतदाताओं का चुनाव प्रक्रिया में विश्वास बना रहे,विशेषकर इस डिजिटल सूचना युग में। उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया अधिकारियों को सही जानकारी के प्रचार में सक्रिय रहना चाहिए और मतदाताओं को तथ्यहीन कथाओं से बचाते हुए उन्हें सही जानकारी से सशक्त बनाना चाहिए।

अग्रहरि समाज ने शोभायात्रा का किया स्वागत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

सरहुल के अवसर पर गुरुवार को हिन्दू उरांव समाज द्वारा शहर में शोभयात्रा निकाली गई थी।

इस अवसर पर अंबिकापुर अग्रहरि समाज ने सामाजिक सेवा के तहत शोभायात्रा में भाग लेने वालों को स्वागत किया गया और उन्हें पानी व शरबत पिलाया गया।

इस सेवा कार्य में अग्रहरि समाज के वरिष्ठजन,युवा, महिलाएं एवं बच्चों की सहभागिता रही।

सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान पेटी में आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 अप्रैल

अधिकारियों को आम नागरिकों का आवेदन भरने में सहयोग के दिए निर्देश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश स्तर पर शासकीय काम-काज में पारदर्शिता लाने एवं शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।
सुशासन तिहार तीन चरणों में संपन्न होगा। पहले चरण में 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक समाधान पेटी के माध्यम से आवेदन लिए जाएंगे और दूसरे चरण में 12 अप्रैल से 4 मई तक लगभग एक माह के भीतर प्राप्त आवेदनों का संबंधित विभाग द्वारा निराकरण किया जाएगा। वहीं तीसरे एवं अंतिम चरण में 05 मई से 31 मई 2025 के बीच तक शिविरों का आयोजन कर संवाद से समाधान किए जाएंगे।

कलेक्टर ने मैनपाट विकासखंड का किया दौरा-सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने आज मैनपाट ब्लॉक के ग्राम पंचायत बिसरपानी,लुरेना,सरभंजा,केसरा और कुदारीडीह का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली और ग्रामीणों से संवाद कर सुशासन तिहार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर प्रदेश स्तर पर सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों की शिकायत,मांग और समस्याओं का समयावधि में निराकरण किए जाएंगे।उन्होंने ड्यूटीरत अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों की से सहज संवाद स्थापित कर आवेदन भरने में सहयोग करें।

इस दौरान एसडीएम श्री नीरज कौशिक,मैनपाट जनपद सीईओ श्री कुबेर सिंह उरेटी,तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

भास्कर पारा खदान से स्थानीय बेरोजगारों को नहीं मिल पा रहा रोजगार

-शमरोज खान-
सूरजपुर,10 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा अधिगृहित भास्कर पारा खुली खदान में नौकरी के लिए बार बार बेराजगारों को बुलाया जा रहा है और उन्हें नौकरी भी नहीं दी जा रही है इसकी शिकायत बेरोजगारों द्वारा जिला पंचायत सदस्य अखिलेश सिंह से की गई है।

इस संबंध में बेरोजगारों ने जानकारी देते हुए बताया कि भास्कर पारा कोल खदान में नौकरी के नाम पर कंपनी के एक कर्मचारी जफर द्वारा बार बार बुलाया जा रहा

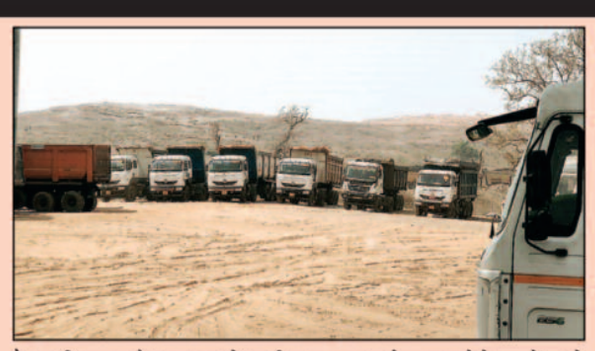

है. कभी ट्रायल के नाम पर तो कभी जवाइनिंग के नाम पर रोजाना सैकडों की संख्या में कंपनी के कर्मचारी जफर के कार्यालय के सामने बेरोजगारों की भीड़ इकठ्ठी होती है। आज आना कल आना कहकर रोजाना बेरोजगारों को टरकाया जा रहा है। इससे कंपनी प्रबंधन के प्रति बेरोजगारों का आक्रोश भी बढ़ रहा है। इस संबंध में बताया जा रहा है कि भास्कर पारा खुली खदान की शुरुआत अभी हाल ही में हुई है. खाडापारा पंचायत स्थित भूमि को अधिगृहित करने के बाद कंपनी ने कोल उत्पादन भी शुरू कर दिया है। वहीं स्थानीय बेरोजगारों को इसमें नाम मात्र के लिए नौकरी पर रखा जा रहा है।

स्थानीय लोगों को खदान से कोई भा लाभ नही हो रहा है । भाजपा नेता रक्षेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि कोल खदान में नियुक्त अधिकारियों के मनमाने पूर्ण रवैये के कारण स्थानीय लोगों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। नौकरी आदि में स्थानीय जनों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए जिससे कंपनी पर लोगों का विश्वास भी बढे।

गारी सुने आए हों...लेकिन काम करके दिखाबःलक्ष्मी राजवाड़े

-संवाददाता-
सूरजपुर,10 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

गांव-बस्ती चलो अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री और भटगाव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े भैयाथान जनपद के ग्राम पंचायत बस्कर पहुंची थी। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ग्राम पंचायत बस्कर के अलग अलग 4 स्थानों पर चौपाल लगा कर आमजनों की समस्याओं से रूबरू हुई। जिस पर जनहित के कार्यों की तत्काल स्वीकृति भी प्रदान की। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत छत्तीसगढ़ी बोली से कर लोगों का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद मैं पहली बार बस्कर पंचायत आई हूँ। देर से आई हूँ इसलिए आपलोग खरी खोटी भी सुना सकते हैं। लेकिन आप लोगों की माँग पर आपकी समस्याओं को दूर करने

का हर संभव प्रयास भी करूँगी। उन्होंने बस्कर-कुधरी मार्ग,बरगाह पारा में सड़क, नागमुडा तालाब में नहानी शेड निर्माण आदि तत्काल प्रभाव से स्वीकृति प्रदान की।

एक ही पंचायत में 4 स्थानों पर मंत्री - ग्राम पंचायत बस्कर के बरगाह पारा, बाजार पारा, नागमुडा और डाला बहरा में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी। इससे पहले किसी भी विधायक ने ऐसा करने का प्रयास भी नहीं किया था। सियासी गलियारों में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के इस पहल की चर्चा भी आम जन मानस में हो रही है। बूथ अध्यक्ष मंच पर- भाजपा में अब नई परिपाटी शुरू की गई है। जिसके तहत बूथ अध्यक्षों को मंच पर स्थान मिलना तय किया गया है। ग्राम पंचायत बस्कर के बूथ अध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह को मंच पर स्थान प्रदान किया गया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील साहू, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष मार्तंड साहू, सर्व यादव समाज के जिला अध्यक्ष रामा शंकर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पैकरा,जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजवाड़े,बी डी सी इंद्रावती राजवाड़े,जिला पंचायत सदस्य बाबूलाल मरापो,सरपंच बस्कर सुरेश सिंह,कुर्रीडीह सरपंच अमर सिंह,करौंदामुडा पोलिंग अध्यक्ष राममूरूप देवांगन,पूर्व सरपंच ललिता सिंह, रक्षेन्द्र प्रताप सिंह,अमन प्रताप सिंह शांतनु गोयल,संदीप दुबे समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता,आम जन व पुलिस थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मुस्तैद रहे। कुर्रीडीह के ग्रामीणों ने जताया विरोध- ग्राम पंचायत बड़सरा के भाजपा नेता रक्षेन्द्र प्रताप सिंह ने ग्राम पंचायत बड़सरा में नवीन धान खरीदी केंद्र के लिए आवेदन दिया। वहीं पूर्व से ग्राम पंचायत कुर्रीडीह में स्वीकृत व संचालित धान खरीदी केंद्र को यथावत रखने का अनुरोध भी मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े से किया। वास्तव में डी आर की सूची में कुर्रीडीह धान खरीदी केंद्र का नाम सूची से विलोपित हो गया था। जिसके लिए ग्राम पंचायत कुर्रीडीह के ग्रामीणों ने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े से नाराजगी जाहिर करते हुए कुर्रीडीह का नाम हटाये जाने का विरोध किया था। जिस पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आश्वासन दिया कि कुर्रीडीह के धान खरीदी केंद्र का यथावत रहेगा और बड़सरा में नए धान खरीदी केंद्र की स्थापना की जाएगी।

जिम्मेदारों पर दर्ज हो आपराधिक केसःनरेंद्र यादव

-संवाददाता-
सूरजपुर,10 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

कुदरगढ़ के गोखनाई नदी में रेत खुदाई के कारण बने गहरे गड्ढे में युवक की डूबने से हुई मौत को लेकर जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मामले को बेहद गंभीर बताया और उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस घटना को प्रशासनिक लापरवाही और ठेकेदार की रेत का लूट का सीधा परिणाम बताया है। उन्होंने कहा यह सिर्फ एक दुर्घटना नहीं है, यह हत्या के समान है। रॉयल्टी बचाने के लालच में ठेकेदार ने नदी को छलनी कर दिया है और जानलेवा गड्ढे बना दिए हैं। अफसरों की आंखें बंद हैं, और उनकी चुप्पी भी इस मौत की जिम्मेदार है। नरेंद्र यादव ने खनिज विभाग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जिले में अवैध और अनियंत्रित उत्खनन धड़ल्ले से जारी है और जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजी खानापूर्ति में लगे हैं। इस पूरे मामले को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपेंगे। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे से कहा कि यदि दोषियों पर तत्काल आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं हुआ, तो युवा कांग्रेस सड़क पर उतरकर शासन-प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन करेगी। वे पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं और उन्हें न्याय दिलाने की हर संभव लड़ाई लड़ेंगे।

भारतीय जनता पार्टी शहर एवं ग्रामीण मंडल का कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ सम्पन्न

-संवाददाता-
सूरजपुर,10 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

आज स्थानीय भाजपा कार्यालय अटलकुंज मे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री भीमसेन अग्रवाल जी के मुख्य आतिथ्य, जिला महामंत्री राजेश महलवाला, जिला कोषाध्यक्ष थलेश्वर प्रसाद साहू के विशिष्ट आतिथ्य मे सम्पन्न हुआ।

अतिथियों के द्वारा तीन विषयों पर कार्यकर्ताओं को अपना मार्गदर्शन दिया। मुख्य अतिथि श्री भीमसेन अग्रवाल जी के द्वारा माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 11 वर्षों के कार्यकाल मे विकसित भारत कि ओर यात्रा विषय पर प्रकाश डाला गया।

जिला महामंत्री श्री राजेश महलवाला जी के द्वारा भारतीय राजनीति मे भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया गया। जिला कोषाध्यक्ष ग्रामीण मंडल प्रभारी श्री थलेश्वर प्रसाद साहू जी के द्वारा भाजपा का चुनावी इतिहास एवं सफलता पर अपना विचार रखा गया। स्वागत उदबोधन शहर मंडल अध्यक्ष अरविन्द मिश्रा के द्वारा दिया गया आभार प्रदर्शन ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विजय नारायण राजवाड़े के द्वारा किया गया मंच संचालन शहर महामंत्री आनंद सोनी के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम समाप्ति पश्चात् शहर के निवृतमान मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल जी कि भाभी ममता अग्रवाल जी के आकस्मिक निधन हो जाने पर भाजपा परिवार के द्वारा मृत आत्मा कि शान्ति हेतु 02 मिनट का मौन धारण कर गहरी संवेदना प्रकट किया गया। कार्यक्रम मे डॉ एच एन चतुर्वेदी, बसंत कुशवाहा, अरुण राजवाड़े,जनपद सदस्य यशवंत सिंह,पूर्व मंडल अध्यक्ष ग्रामीण सुरेन्द्र राजवाड़े,पार्षदगण मुकेश गर्ग, प्रमोद तायल, प्यारेलाल साहू, पंकज चौबे पूर्व पार्षद संतोष सोनी एवं सरोज साहू, देवमुनीया साहू, कौशिल्या सिंह धनयसाय सिंह, राजू देवांगन,नीरज जिंदिया, संस्कार अग्रवाल,रंजन सोनी, विकास अग्रवाल, बजरंग राजवाड़े किशन देवांगन अजय सिंह, संजू सोनी, हिमांशु जैन, प्रदीप सोनी,धर्मवीर सोनी,सौरभ द्विवेदी,यश अग्रवाल व शहर एवं ग्रामीण मंडल के समस्त कार्यकर्ता,पदाधिकारी, पार्षदगण उपस्थित रहे।

नए कानूनों का लगातार अध्ययन कर अपडेट रहने से कार्य में नहीं होगी कोई कठिनाईःडीआईजी/एसएसपी सूरजपुर

पुलिस अधिकारी व जवानों को दिया गया नए कानूनों के बारे में प्रशिक्षण

-संवाददाता-
सूरजपुर,10 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में गुरूवार, 10 अप्रैल 2025 को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो,एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा,एसडीओपी प्रतापपुर सौरभ उईके,डीएसपी अनूप एक्का, रितेश चौधरी के द्वारा पुलिस अधिकारी व जवानों को तीन नए कानून के प्रावधानों का विस्तार से जानकारी दिया।

इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि प्रत्येक नागरिक किसी न किसी प्रकार से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में कानून से जुडा होता है। इसलिए ये आवश्यक है कि हम सभी कानून में हुए बदलाव को लगातार अध्ययन करें व इसे समझे। जब हम अपडेट रहेंगे तो कार्य करने में कोई कठिनाई नहीं आयेगी, अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुख्ता साक्ष्य संकलित कर आरोपी को न्यायालय से सजा दिलाने, नये कानून में 'जीरो एफआईआर', पुलिस में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराना, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम जैसे कि 'एसएमएस' (मोबाइल फोन पर संदेश) के जरिये समन भेजने और सभी जघन्य अपराधों के वारदात स्थल की अनिवार्य वीडियोग्राफी जैसे प्रावधान शामिल किए गए है जिसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने पुलिस अधिकारी व जवानों को कहा कि पुलिस का मुख्य कर्तव्य अपराध की रोकथाम और कानून व्यवस्था को बनाए रखना है इस कसौटी पर खरा उतरने सभी तत्परता से कार्य करें, पुलिस का उद्देश्य नागरिकों में सुरक्षा की भावना को बढ़ाना और उनके परिवार की चिंता को कम करना है इसके लिए संवेदनशील होकर कार्य करें। महिला संबंधी अपराधों की विवेचना में पूर्ण सावधानी बरतने के निर्देश दिए। शिकायतों को संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ सुनने, शिकायतों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने, पदस्थापना वाले क्षेत्र में निरंतर जागरूकता अभियान चलाने ताकि ज्यादा से ज्यादा महिलाओं एवं बच्चों को नवीन कानूनों के बारे में जानकारी मिल सके साथ ही वर्तमान दौर में आमजन ठगी का शिकार न हो उसके उपाए से अवगत कराने के निर्देश दिए। इस प्रशिक्षण में जिले के पुलिस अधिकारी व जवान शामील हुए।

महावीर जयंती पर जैन समाज ने निकाली भव्य रैली

-संवाददाता-
कोरिया,10 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर बैकुंठपुर स्थित जैन मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर जैन समाज द्वारा भव्य रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान महावीर की मंगल आरती और पूजा से हुई, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने धूमधाम से शोभायात्रा निकाली रैली में बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए, जिनमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी उत्साहपूर्वक भाग लेते नजर आए। रैली के माध्यम से ÷अहिंसा परमोधर्म÷ का संदेश जन-जन तक पहुँचाया गया। रैली नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए शांति और सद्भावना का संदेश फैलाती रही इस अवसर पर जैन समाज द्वारा भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों और उनके द्वारा दिए गए जीवन मूल्यों को आत्मसात कर जियो और जीने दो की बात कहीं। इस दौरान इंदरचंद ललवानी, इंदरचंद बैंद, आर के जैन,जगत बैंद,हरीश ललवानी, रमेश जैन,जयचंद ललवानी,पवन जैन, सुभाष ललवानी,सुनील ललवानी,मयंक जैन,विनोद बैंद, मोहित, गौरव,अंकित,दिव्य,दीपक,निक्की ,अक्षय,त्रिशाभ,उदित,अरिहंत,संस्कार जैन एवं महिला मंडल की महिलाएं,युवतियां बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

माध्यमिक शाला बंजारीडांड परिसर में सांस्कृतिक मंच का भूमि पूजन किया

-संवाददाता-
खड़गवां,10 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

राहुल सिंह विकास कार्यों की शुरुआत करते हुए नवनिर्वाचित सरपंच ग्राम पंचायत बंजारीडांड राहुल सिंह द्वारा अपने कार्यकाल का पहला विकासात्मक कार्य संयुक्त शाला परिसर में बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु सांस्कृतिक मंच का भूमि पूजन कर किया। सरपंच राहुल सिंह ने बताया की आदिवासी बाहुल्य ग्राम में अध्यनरत लगभग 160 बच्चों के सांस्कृतिक विकास हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा तीन लाख रुपए की लागत से मंच तैयार किया जाएगा।भूमिपूजन के अवसर पर ग्रामवासी, पालकगण संस्था के प्रधान पाठक द्वेय एवं शिक्षक गण उपस्थित रहे।

न्यायालय नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

रा.प्र.क्र.202503021700132
/अ-27/2024-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनोनीत टोप्पो आ0 मंगलसाय व अन्य निवासी ग्राम मानिकप्रकाशपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम मानिकप्रकाशपुर स्थित भूमि खसरा न0 7,8,12/1,13,850,1058/15 रकबा क्रमशः 0.032, 0.125, 0.093, 0.214, 0.214, 0.061 हे0 भूमि का अनावेदिका मुन्ना आ0 मंगलसाय व अन्य, निवासी ग्राम मानिकप्रकाशपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन कराने बावत् आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/04,2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार
अंबिकापुर-2

पत्नी पार्षद पति ठेकेदार और नगर पालिका निर्माण कार्य में जमकर भ्रष्टाचार ?

किसी भी सरकारी काम में हैंड ब्रोकर गिट्टी का नहीं होता उपयोग पर बैकुण्ठपुर नगर पालिका के नाली निर्माण में हैंड ब्रोकर गिट्टी कैसे हो रहा उपयोग ?

रजनीश गुप्ता नाम के ठेकेदार हैंड ब्रोकर गिट्टी का उपयोग कर बना रहे हैं 43.32 लाख की नाली

नाली निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल क्या नगर पालिका करेगी इसकी जांच या फिर भाजपा समर्थित ठेकेदार होने का मिलेगा लाभ ?

43 लाख 32 हजार के नाली निर्माण का काम कैसे होगा 36 लाख में ?

नाली के बेस में मानक से कम मटेरियल लगाकर नाली की गुणवत्ता को करेंगे खराब

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,10 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

नगर पालिका बैकुंठपुर के पार्षद पति ठेकेदार 43 लाख 32 हजार की नाली 36 लाख में कैसे बनाएंगे यह बड़ा सवाल है,17 प्रतिशत कम दर पर लिया है 500 मीटर नाली निर्माण का कार्य, यानी की 8 लाख 50 हजार कम में इस काम को उन्होंने हासिल किया है,इसके बाद अधिकारियों का कमीशन व नगर पालिका अध्यक्ष का कमीशन भी इन्हें इसमें देना है और अपनी कमाई भी इसमें करना है, अब ऐसे में कितना गुणवत्तायुक्त यह कार्य होगा यह अभी से ही समझ में आने लगा है? नाली निर्माण के काम शुरू होते ही प्रथम दृष्टि में अनियमितता दिखने लगी है, जहां पर क्रशर का 40 एमएम गिट्टी का इस्तेमाल होना है वहां पर यह हैंड ब्रोकिंग गिट्टी का इस्तेमाल कर रहे हैं नाली में जहां 10 सेंटीमीटर रेत डालना है वहां यह 5 सेंटीमीटर रेत डाल रहे हैं, जहां पर नाली के बेस में 5 इंची ढलाई करना है वहां पर यह 2 से 3 इंची ढलाई कर रहे हैं निर्माण में जो नहीं दिखने वाली चीज है उसमें यह नियम के विरुद्ध काम कर रहे हैं और जो दिखने वाली चीज है वहां पर नियम के तहत काम करेंगे, अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्रिक टेस्ट रिपोर्ट इन्हें सब कुछ ओके करके कौन सी एजेंसी देगी? तब जाकर इनका बिल पास होगा। लोहे के सरिया में भी जो स्टीमेट के अनुसार क्वालिटी वाला सरिया लगाना है वह भी यह नहीं लगा रहे हैं, लोकल स्तर का लगाकर नाली निर्माण को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं,इनका मानना है कि यह भाजपा समर्थित ठेकेदार हैं इस वजह से उनका बिल नहीं रुकेगा और पैसा निकल जाएगा पर क्या सही में ऐसा होगा? क्या आंख मूंद कर जिम्मेदार उनके कार्यों पर हस्ताक्षर करके इनको पैसे का भुगतान करेंगे या फिर निष्पक्ष तरीके से इनका कार्य ओके क्रिक

शहर के बीचो-बीच बनने वाली 500 मीटर नाली निर्माण कार्य में दिख रहा है भ्रष्टाचार

नगर पालिका बैकुंठपुर के नए बस स्टैंड के पास मेन रोड में 500 मीटर नाली निर्माण हो रहा है और प्रथम दृष्टि में यह कार्य गुणवत्ताहीन दिख रहा हैं कोई भी निर्माण एजेंसी हैंड ब्रोकिंग गिट्टी का इस्तेमाल नहीं करती है पर यहां पर ठेकेदार महोदय केसर गिट्टी की जगह हैंड ब्रोकिंग गिट्टी का इस्तेमाल कर रहे हैं, लग रहा है कि 17 प्रतिशत कम में जो काम लिए हैं वह यहीं से ही वह मेकअप करेंगे,यानी की वह नाली के गुणवत्ता को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाएंगे? इसी वजह से वह 17 प्रतिशत बिलों में काम हासिल किया है और इस कार्य को भ्रष्टाचार युक्त गुणवत्ता विहीन करके लाखों कमाएंगे और इनका बिल रोकेगा कौन क्योंकि पार्षद पति भी है और भाजपा के नेता भी हैं और नगर पालिका अध्यक्ष के खास भी है?

नाली की गुणवत्ता उसके बेस की क्वालिटी से होगी खराब

निर्माण के जानकारों का कहना है कि एक अच्छी नाली की गुणवत्ता उसका बेस होता है बेस जितना अच्छा होगा नाली की गुणवत्ता उतनी अच्छी होगी,बेस का मतलब है कि नलिका निचला हिस्सा जिसमें एस्टीमेट के अनुसार जितना बालू डालना है और जितना मोटा उसका ढलाई करना है उतनी होगी तब नाली की मजबूती अच्छी होगी,यदि बेस खराब होगा तो नाली की गुणवत्ता भी खराब होगी और यहां पर ठेकेदार बेस में अपना पैसा बचाना चाहते हैं क्योंकि बेस को कोई देखता नहीं है और ऊपर का हिस्सा दिख जाता है जिस वजह से वह ऊपर के हिस्सा में एस्टीमेट के तहत काम करेंगे और नीचे के हिस्से में वह गुणवत्ता के विपरीत काम करेंगे तब जाकर वह 17 प्रतिशत बिलों को मेकअप करेंगे और दो-चार लाख रुपये कमाएंगे।

ऐसे गुणवत्ताहीन कार्य का क्वालिटी चेक का प्रमाण पत्र कौन देगा ?

प्रथम दृष्टि में ही नाली निर्माण गुणवत्ताहीन दिख रही है बेस के काम में लापरवाही बरती जा रही है और यही से ही अपने प्रॉफिट व लॉस को ठेकेदार तय करता है ऐसे में क्वालिटी चेक का प्रमाण पत्र देने वाला व्यक्ति कैसे जांच करके इन्हें गुणवत्ता वाला प्रमाण पत्र देगा कि उनके द्वारा गुणवत्ता के साथ कार्य किया गया है? जबकि बेस में गुणवत्ताहीन कार्य हो रहा है जो प्रथम दृष्टि में आज भी देखा जा रहा है नाली निर्माण के कार्य में कई तरह की गुणवत्ताहीन हो रहा है आम आदमी भी समझ सकता है, इस नाली निर्माण में इसके बेस को ही कमजोर बनाया जा रहा है जिस वजह से यह नाली की गुणवत्ता अत्यधिक खराब मानी जा रही है काम अभी शुरू हुआ है और अभी से ही गुणवत्ताहीन कार्य देखने को मिल रहा है तो आगे जाकर इस काम की क्या स्थिति होगी और इस नाली की लाइफ कितनी होगी? यह आज से ही लोगों के लिए सवाल बन गया है अब ऐसे गुणवत्ता ही नाली के निर्माण के लिए कौन अधिकारी गुणवत्ता के साथ नाली निर्माण होने का प्रमाण पत्र देगा? नाली में लगने वाला लोहे का सरिया भी गुणवत्ता वाला नहीं है लोकल क्वालिटी का लगाया जा रहा है ऐसा सूत्रों का दावा है।

उज्जैन,ओंकारेश्वर व महाकालेश्वर जैसे धार्मिक स्थलो का करेंगे दर्शन

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 109 श्रद्धालु हुए रवाना

-संवाददाता-
कोरिया,10 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत कोरिया जिले से आज 109 श्रद्धालु विशेष ट्रेन से तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए। इन यात्रियों में 40 महिलाएं एवं 69 पुरुष शामिल हैं, जो जिले के बैकुंठपुर एवं सोनहत विकासखंड से आए हैं। 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को इस योजना के अंतर्गत तीर्थ यात्रा का अवसर दिया जा रहा है। कोरिया जिले के बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन से दोपहर 1.45 बजे यात्रियों को लेकर ट्रेन अम्बिकापुर के लिए रवाना हुई और वहां से विशेष ट्रेन के माध्यम से उन्हें उज्जैन, ओंकारेश्वर एवं महाकालेश्वर जैसे तीर्थ स्थलों के दर्शन कराएगी। जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने रेलवे स्टेशन पहुंचकर यात्रियों का स्वागत एवं अभिवादन किया। यात्रियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए मेडिकल जांच की समुचित व्यवस्था की गई थी। इस मौके पर कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा,हम सब की इच्छा होती है कि अपने माता-पिता को तीर्थ दर्शन कराएं, लेकिन कई बार संसाधनों की कमी से यह संभव नहीं हो पाता। यह योजना हमारे वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक बहुत ही उपयोगी पहल है। यात्रियों में यात्रा को लेकर भारी उत्साह देखा गया। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार प्रकट किया ।

नाद निःशुल्क लीजिए पर निवेदन है कि उसमें आप पानी मवेशियों के लिए जरूर रखिए:अनुराग दुबे

गौ सेवक अनुराग दुबे ने जन सहयोग से शहर के गौवंशों और अन्य पशुओं के लिए भीषण गर्मी में नाद की व्यवस्था कर पीने के लिए पानी की व्यवस्था की...

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,10 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

इस साल गर्मी अधिक पढ़ने वाली है जिसका अनुमान अभी से ही लगाया जा रहा है जिसे देखते हुए बेजुबान मवेशियों के हितेषी अनुराग दुबे ने अभी से ही चिंता जताई है और कहा है कि पशु पक्षियों के लिए सभी अपने घरों के बाहर पानी रखें पक्षियों के लिए अपने छत पर पानी रखें, ताकि इस गर्मी में कोई भी बेजुबान जानवर या पक्षी पानी की कमी से अपनी जान ना गवा बैठे, हम आपको नाद निशुल्क दिलाएंगे पर आपसे निवेदन है कि आप उसे नाद में प्रतिदिन पानी जरूर रखें ताकि किसी भी मवेशी की जान पानी की वजह से गर्मी में न जाए। बैकुंठपुर शहर में गौवंशों और अन्य पशु पक्षियों के लिए सेवा भाव के साथ कार्य कर रहे गौ सेवक अनुराग दुबे ने प्रतिवर्ष की भांति वर्ष भी भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए पीने के पानी की व्यवस्था करने के लिए गौवंशों और अन्य पशुओं के लिए नाद की व्यवस्था जन सहयोग से की है और जगह जगह नाद रखवाकर गौवंशों और अन्य पशुओं के लिए पानी की वह व्यवस्था पीने की कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बैकुंठपुर क्षेत्र में घूम रहे बेजुबान गौवंश को पानी पीने के लिए पानी के 75 नग नाद की व्यवस्था जन सहयोग से करवाई गई है क्योंकि आम इंसान तो कहीं भी रुक करके पानी पी सकता है पर यह बेसहारा बेजुबान को इन गर्मियों के दिन में बहुत ही ज्यादा पानी पीने की दिक्कत होती है क्योंकि आसपास के सभी नाले तालाब सूख जाते हैं बेजुबानो की इसी तकलीफ को देखते हुए बैकुंठपुर नगर पालिका उपाध्यक्ष आशीष यादव लल्ला भाई के द्वारा 10 नाद बड़े भाई आशीष डबरे भाई के द्वारा 10 नाद ज्ञानेंद्र शुक्ला जानी भाई के द्वारा 10 नाद की व्यवस्था छोटे भाई विपिन मिश्रा के द्वारा 10 नाद,अनमोल पाल सानू भाई के द्वारा 10 नाद महामाया डेरी के संचालक नयन केवलानी भाई के द्वारा 10 नाद आयुष नामदेव भाई के द्वारा 5 नाद एवं उनके द्वारा 10 नाद की व्यवस्था की गई है टोटल गौ रक्षा वाहिनी को पानी के 75 नग नाद की व्यवस्था करवाई गई है जिसकी कीमत ?27 हजार रुपए है उन्होंने सभी सहयोग करने वाले भाइयों का हृदय से धन्यवाद करते हुए कहा कि आपने यहां घूम रहे बेजुबान गौवंशों का दर्द समझा और उनके लिए पानी पीने के लिए नाद की व्यवस्था के लिए आगे आए यह पानी की नाद जिस किसी भी सज्जन को चाहिए उन्हें यह पानी की नाद निशुल्क दिया जाएगा पर आपसे हाथ जोड़कर निवेदन भी है कि इस पानी के नाद में पानी हमेशा भरते रहे क्योंकि बहुत से लोग नाद तो ले जाते हैं पर इसमें पानी डालने तक की जरूरत नहीं समझते हैं और नाद पड़े पड़े बर्बाद हो जाता है ऐसा ना हो क्योंकि बहुत मेहनत से जन सहयोग से यह पानी के नाद की व्यवस्था करवाई जाती है आप जिन सज्जनों को भी यह पानी की नाद चाहिए आप हम लोगों से संपर्क करके यह पानी का नाद निशुल्क ले सकते हैं निशुल्क नाद के लिए उन्होंने संपर्क भी जारी किया है जो ये है...

8770718237,
9977667123,91117
14184,7987883924।

प्रदेश में सुशासन तिहार 2025 का प्रथम चरण शुरू,नगर पंचायत जरही मे 54 आवेदन मिले

-संवाददाता-
जरही/भटगांव,10 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

प्रदेश व्यापी सुशासन तिहार 2025 का प्रथम चरण 8 अप्रैल से शुरू हो गया है। यह तिहार 8 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक चलेगा,जिसमें आम नागरिक अपनी समस्याओं और सुझावों के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं। आवेदन की सुविधा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध कराई गई है। जिले के नगर पंचायत जरही के वार्डों में नागरिकों की समस्याओं और सुझावों को सुनने के लिए नगर पंचायत के कर्मचारी लगातार कैंप आयोजित कर रहे हैं। इस दौरान 8 और 9 अप्रैल को कुल 54 आवेदन प्राप्त हुए। नगर पंचायत के सीएमओ मोहर लाल गहरवरिया ने बताया कि नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में कलेक्टर सूरजपुर के निर्देशन में सुशासन तिहार के तहत शिकायत और सुझाव पेटी रखी गई है, जिससे नागरिक अपनी समस्याओं को दर्ज करा सकते हैं। दो दिवसीय शिविर में कुल 54 आवेदन प्राप्त हुए,जिनका विभागवार निराकरण किया जाएगा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सुशासन तिहार मनाने का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं का सही और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है।

भारी मात्रा में नशीली इंजेक्शन के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,10 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के सख्त निर्देश पर थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा लगातार अवैध कारोबार व सूखा नशा के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। बुधवार की रात्रि में थाना सूरजपुर पुलिस ने एक व्यक्ति से 365 नग नशीली इंजेक्शन जप्त कर उसके विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट की कार्यवाही कर गिरफ्तार किया है। दिनांक 09.04.2025 के रात्रि में थाना सूरजपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम देवनगर निवासी मोहम्मद इस्माईल अंसारी अपने घर के पास में अवैध रूप से नशीली दवाईयों की बिक्री कर रहा है। थाना सूरजपुर पुलिस सूचना की तस्दीक व कार्यवाही हेतु मौके पर पहुंची जहां मोहम्मद इस्माईल अंसारी पिता स्व. रमजान अंसारी उम्र 32 वर्ष के कब्जे से रेक्सोजेसिक इंजेक्शन 187 नग व एविल इंजेक्शन 178 नग कुल 365 नग इंजेक्शन जप्त किया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 1 लाख 83 हजार रूपये है। मामले में नशीली इंजेक्शन जप्त कर धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, एएसआई सुमंत पाण्डेय, आरक्षक रविराज पाण्डेय, दीपक किस्पोट्टा, रामचन्द्र राम व संत पैंकरा सक्रिय रहे।

ओलंपिक 2028 में पहली बार इस खेल को किया गया शामिल

लॉस एंजिल्स,10 अप्रैल 2025। ओलंपिक 2028 का आयोजन अमेरिका के लॉस एंजिल्स में होगा और अब इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी ने ओलंपिक 2028 के लिए बड़ा फैसला लेते हुए कंपाउंड मिक्सड तीरंदाजी को शामिल करने का ऐलान किया है। ओलंपिक में रिकर्व ऑर्चरी पहले से ही थी। लेकिन अब कंपाउंड ऑर्चरी को पहली बार ओलंपिक के लिए शामिल किया गया है। इस कदम को देश की ओलंपिक उम्मीदों के लिए 'गेम-चेंजर' के रूप में देखा जा रहा है। भारत के एथलीट्स कंपाउंड मिक्सड टीम इवेंट में अच्छा करते हैं।

कंपाउंड ऑर्चरी की लोकप्रियता में हुआ है बढ़ावा

पिछले कुछ सालों से कंपाउंड ऑर्चरी की लोकप्रियता में बढ़ावा देखा गया है। वर्ल्डऑर्चरी के अनुसार 1972 के बाद ऑर्चरी के शुरुआती के बाद पहली बार ओलंपिक में एक नई शैली को शामिल किया जा रहा है। वर्ल्ड ऑर्चरी के प्रेसिडेंट उगुर एर्डनर ने ऐतिहासिक मौके पर कहा कि यह खेल के लिए और दुनिया भर के लाखों कंपाउंड तीरंदाजों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। जो लंबे समय से ओलंपिक में आना चाहते थे। मैं इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी के चीफ अध्यक्ष थॉमस बाक को उनके समर्थन के लिए गहरा आभार व्यक्त करता हूं।

उगुर एर्डनर ने कहा कि मुझे पूरे तीरंदाजी समुदाय और हमारे एथलीट्स के काम पर बहुत गर्व है और मैं यह देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं कि हमारे पहले ओलंपिक कंपाउंड तीरंदाज लॉस एंजिल्स में क्या हासिल करेंगे। कंपाउंड ऑर्चरी का जन्म अमेरिका में हुआ था। इसे पहली बार 2013 में विश्व खेलों में शामिल किया गया था।

भारत के लिए अच्छी खबर

भारत के एथलीट्स के कंपाउंड ऑर्चरी में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। भारत ने पहले तीरंदाजी विश्व कप चरण एक की कंपाउंड पुरुष टीम स्पर्धा में कांस्य पदक से तालिका में अपना खाता खोला। अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और ऋषभ यादव की भारतीय टीम ने शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और एकतरफा कांस्य पदक मैच में डेनमार्क को 230-223 से आसानी से हरा दिया। अब कंपाउंड ऑर्चरी के ओलंपिक में शामिल होने से भारतीय के ज्यादा मेडल जीतने की उम्मीद बंधी है।

पाकिस्तान क्रिकेट में एक और नया बवाल

मोहम्मद रिजवान ने पीसीबी को दी अब धमकी

करांची,10 अप्रैल 2025। वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे ज्यादा किसी टीम के खेल के अलावा बाकी सारी चीजों को लेकर चर्चा देखने को मिलती है, तो वह कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तानी क्रिकेट टीम है। पिछले एक साल में पाकिस्तानी टीम के कोचिंग स्टाफ से लेकर कप्तानी तक मामले में काफी बदलाव देखने को मिला है। फरवरी-मार्च महीने में खेली गई चैंपियंस ट्रॉफी और उसके बाद न्यूजीलैंड के दौरे पर लिमिटेड ओवर्स सीरीज दोनों में पाकिस्तानी टीम का प्रदर्शन काफी खराब देखने को मिला था। इसी को लेकर अब पाकिस्तानी वनडे टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान का भी एक अजीबोगरीब बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कप्तानी छोड़ने तक की धमकी दी है।

टी20 कप्तानी से हटाए जाने पर नाराज हैं रिजवान

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तानी टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी, इसके बाद न्यूजीलैंड दौरे के लिए जब पीसीबी ने टी20 और वनडे टीम का ऐलान किया तो उसमें मोहम्मद रिजवान से टी20 टीम की कप्तानी छीने जाने के साथ उन्हें स्क्वाड से बाहर भी कर दिया गया। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की रिपोर्ट के अनुसार रिजवान इस फैसले को लेकर काफी नाखुश थे और साथ ही वह अब जल्द ही इन सभी मुद्दों को लेकर पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से भी मुलाकात करेंगे। वहीं रिपोर्ट के अनुसार रिजवान को टीम चयन के मामले में अधिक अधिकार नहीं दिए गए तो वह कप्तानी तक छोड़ने का फैसला ले सकते हैं।

हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी

मोहम्मद रिजवान ने पाकिस्तान सुपर लीग के आगामी सीजन को लेकर हुई कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तानी टीम के प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि सभी को पता है कि क्या चल रहा है, प्रत्येक व्यक्ति उस चीज के लिए जिम्मेदार है जिस पर उसका नियंत्रण है। वहीं टी20 टीम की कप्तानी से हटाए जाने के सवाल पर रिजवान ने कहा कि इसको लेकर मैं कुछ नहीं कह सकता, हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई और ना ही पूछा गया। ये उनका फैसला था जिसे हमें पहले के फैसलों की तरह स्वीकार करना था।

टीम इंडिया की होम सीरीज के शेड्यूल का ऐलान

वेस्टइंडीज और अफ्रीका से होंगे मैच

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2025। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025 के लिए टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) के अंतरराष्ट्रीय घरेलू सत्र के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इस आगामी सत्र में भारतीय टीम वेस्टइंडीज के साथ दो टेस्ट मैच और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट, तीन वनडे और 5 टी-20 मैच खेलती हुई नजर आएंगी।

इस घरेलू सीरीज की शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज से होगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच 2 अक्टूबर 2025 को अहमदाबाद में शुरू होगा. सीरीज का दूसरा और अंतिम टेस्ट 10 अक्टूबर से कोलकाता में खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज खेलेगा। यह दो टेस्ट मैचों की सीरीज 14 नवंबर को नई दिल्ली में शुरू होगी, जबकि गुवाहाटी 22 नवंबर से दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा।

चेन्नई और कोलकाता मैच आज चेन्नई में

चेन्नई और कोलकाता पिछले 5 मैचों का रिजल्ट

चेन्नई सुपर किंग्स ने 7 विकेट से जीत दर्ज की
कोलकाता नाइट राइडर्स ने 6 विकेट से जीत दर्ज की
चेन्नई सुपर किंग्स ने 49 रन से जीत दर्ज की
कोलकाता नाइट राइडर्स ने 6 विकेट से जीत दर्ज की
चेन्नई सुपर किंग्स ने 27 रन से जीत दर्ज की

चेन्नई और कोलकाता के हेड टू हेड रिकॉर्ड में कौन है किसपर भारी

चेन्नई,10 अप्रैल 2025। 11 अप्रैल को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आईपीएल 2025 के 25वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। चेन्नई की टीम को इस सीजन लगातार चार हार का सामना करना पड़ा है। अब वो केकेआर के खिलाफ मैच में इस हार के सिलसिले को तोड़ना चाहेंगे। दूसरी ओर, कोलकता की टीम ईडन गार्डन्स में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ करीबी मुकाबला हारने के बाद जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी।

सीएसके व्हीएस केकेआर का हेड टू हेड रिकॉर्ड

चेन्नई और कोलकाता के बीच आईपीएल में 30 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से सीएसके ने 19 मैच जीते हैं, जबकि केकेआर 10 मैच जीतने में सफल रहा है। वहीं एक मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था। अगर एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए ष्टस्च और चयक्रके मैचों की बात करें, तो दोनों टीमें इस मैदान पर 12 बार आमने-सामने हुई हैं जिसमें चेन्नई 8 मैच जीतने में कामयाब रहा है, वहीं कोलकाता को सिर्फ 4 मुकाबलों में जीत मिली है। चेन्नई और कोलकाता के बीच खेले गए पिछले 5 मुकाबलों की बात करें तो वहां भी चेन्नई आगे है। दोनों टीमों के बीच खेले गए पांच मैचों में से चेन्नई ने तीन में जीत हासिल की है, वहीं कोलकाता दो मौकों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रहा है।

चेन्नई और कोलकाता दोनों टीमों का स्क्वॉयड

रुतुराज गायकवाड़,मथीशा पथिराना, शिवम दुबे,रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी, डेवोन कॉन्वे,राहुल त्रिपाठी,रचिन रवींद्र, आर. अश्विन,खलील अहमद, नूर अहमद, विजय शंकर, सैम करन, शेख रशीद,अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुडा, गुरजनपनीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्दार्थ।

रिकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, हर्षित राणा, रमनदीप सिंह, वेंकटेश अय्यर, क्विंटन डी कॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, अंगकृष रघुवंशी, एनरिक नॉर्खिया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, रोवमैन पॉवेल, स्पेंसर जॉनसन, मनीष पांडे, लवनीथ सिसोदिया, अजिंक्य रहाणे, अनुकूल रॉय, मोइन अली, चेतन सकारिया।

खेले गए कुल मैच

30
सीएसके ने जीता 19
केकेआर ने जीता 10
नो रिजल्ट 1
टाई 0

आज से पाकिस्तान सुपर लीग की शुरुआत

रावलपिंडी,10 अप्रैल 2025। भारत में शानदार अंदाज में इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन हो रहा है और फैंस को रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। दूसरी तरफ पड़ोसी देश पाकिस्तान में अब पाकिस्तान सुपर लीग की शुरुआत होने जा जा रही है। ये लीग का 10वां सीजन है और इसका पहला मुकाबला 11 अप्रैल को खेला जाएगा। पीएसएल 2025 में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी, जो खिताब जीतने के लिए आपस में भिड़ती हुई नजर आएंगी।

कराची किंग्स के कप्तान होंगे डेविड वॉर्नर

पाकिस्तान सुपर लीग 2025 में लाहौर कलंदर्स,पेशावर जाल्मी, क्वेटा ग्लैडिएटर्स,मुल्तान सुल्तान्स, इस्लामाबाद यूनाइटेड और कराची किंग्स की टीमें हिस्सा लेंगी। लीग में पांच टीमों के कप्तान पाकिस्तानी हैं, जबकि सिर्फ एक ही विदेशी कप्तान है। लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, पेशावर जाल्मी के कप्तान बाबर आजम, मुल्तान सुल्तान्स के कप्तान मोहम्मद रिजवान, क्वेटा ग्लैडिएटर्स के कप्तान सऊद शकील और कराची किंग्स के कप्तान डेविड वॉर्नर हैं।

इस्लामाबाद यूनाइटेड ने सबसे ज्यादा बार जीता खिताब

पाकिस्तान सुपर लीग में इस्लामाबाद यूनाटेड ने सबसे ज्यादा तीन बार खिताब जीता है। पिछले सीजन टीम ने शादाब खान की अगुवाई में ट्रॉफी जीती थी। वहीं लाहौर कलंदर्स की टीम दो बार खिताब अपने नाम कर चुकी है। कराची किंग्स, मुल्तान सुल्तान्स, पेशावर जाल्मी और क्वेटा ग्लैडिएटर्स ने एक-एक बार पीएसएल की ट्रॉफी जीती है।

पाकिस्तान सुपर लीग 2025 के लिए सभी टीमों का स्क्वॉयड

इस्लामाबाद यूनाइटेड: शादाब खान (कप्तान), इमाद वसीम, नसीम शाह (उपकप्तान), आजम खान (विकेटकीपर), हैदर अली, सलमान अली आगा, रुम्मन रईस, कॉलिन मुनरो, मैथ्यू शॉर्ट, जेसन होल्डर, बेन ड्वारशुइस, सलमान इरशाद, मोहम्मद नवाज, एंड्रीज गौस (विकेटकीपर), साद मसूद, हुनैन शाह, रिले मेरेडिथ, रासी वैन डेर डुसेन, साहिबजादा फरहान, एलेक्स केरी (विकेटकीपर)

कराची किंग्स:- डेविड वार्नर (कप्तान), जेम्स विंस (उपकप्तान), हसन अली, अराफात मिन्हास, इरफान खान नियाजी, जाहिद महमूद, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), शान मसूद, एडम मिल्ने, अब्बास अफरीदी, खुशदिल शाह, आमिर जमाल, मीर हमजा, लिटन दास (विकेटकीपर), रियाजुल्लाह, फवाद अली, केन विलियमसन, मोहम्मद नबी, ओमैर यूसुफ, मिर्जा मामून।

लाहौर कलंदर्स:- शाहीन अफरीदी (कप्तान), फखर जमान, हारिस रऊफ, अब्दुल्ला शफीक, जमान खान, जहांदाद खान (उपकप्तान), सिकंदर रजा, डेविड विसे, डेरिल मिचेल, कुसल परेरा (विकेटकीपर), आसिफ अफरीदी, आसिफ अली, रिशद हुसैन, मुहम्मद अखलाक (विकेटकीपर), मोमिन कमर, मोहम्मद अजाब, टॉम कुरेन, सैम बिलिंग्स (विकेटकीपर), सलमान मिर्जा, मुहम्मद नईम।

मुल्तान सुल्तान्स:- मोहम्मद रिजवान (कप्तान, विकेटकीपर), डेविड विली (उपकप्तान), उस्मान खान, इफ्तिखार अहमद, उसामा मीर, फैसल अकरम, क्रिस जॉर्डन, माइकल ब्रेसवेल, मोहम्मद हसनैन, कामरान गुलाम, आकिफ जावेद, तैय्यब ताहिर, गुडाकेश मोती, जोश लिटिल, शाहिद अजीज, उबैद शाह, जॉनसन चार्ल्स (विकेटकीपर), शाई होप (विकेटकीपर), यासिर खान, मुहम्मद अमीर बरकी।

पेशावर जाल्मी:- बाबर आजम (कप्तान), सईम अयूब (उपकप्तान), मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), आरिफ याकूब, मेहरान मुमताज, सुफियान मुकीम, अली रजा, टॉम कोहलर-कैडमोर (विकेटकीपर), मोहम्मद अली, अब्दुल समद, नाहिद राणा, हुसैन तलत, मैक्स ब्रायंट, नजीबुल्लाह जादरान, माज सदाकत, अल्जारी जोसेफ, अहमद डेनियल, मिशेल ओवेन, जॉर्ज लिंडे, ल्यूक वुड।

क्वेटा ग्लेडिएटर्स:-सऊद शकील (कप्तान), राइली रूसो (उपकप्तान), मोहम्मद आमिर, मोहम्मद वसीम जूनियर, अबरार अहमद, ख्वाजा नफे, अकील होसेन, उस्मान तारिक, मार्क चैपमैन, फहीम अशरफ, फिन एलन, खुर्रम शहजाद, हसीबुल्लाह खान (विकेटकीपर), काइल जैमीसन, हसन नवाज, मोहम्मद जीशान, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सीन एबॉट, शोएब मलिक, दानिश अजीज।

ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी

क्वींसबर्ग,10 अप्रैल 2025। क्रिकेट का जनक अंग्रेजों को माना जाता है। इसके बाद अंग्रेजों ने वेस्टइंडीज और भारतीय उपमहाद्वीप को उपनिवेश बनाया। इसी वजह से क्रिकेट यहां भी प्रसिद्ध हो गया। आज भारत में क्रिकेट को एक धर्म माना जाता है,जहां फैंस क्रिकेटर्स की एक झलक पाने के लिए लालायित रहते हैं। इस बात का ऐलान पहले ही हो चुका था कि ओलंपिक 2028 में क्रिकेट खेल को भी शामिल किया जाएगा। इससे पूरी दुनिया में मौजूद हर क्रिकेट फैंस के मन में एक लहर दौड़ गई थी। अब नया अपडेट सामने आया है कि ओलंपिक 2028 में पुरुष और महिला दोनों कैटगरी में 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें गोल्ड मेडल जीतने के लिए टक्कर होगी।

आईसीसी में 12 देश हैं फुल मेंबर

ओलंपिक 2028 का आयोजन अमेरिका के लॉज एंजिल्स में होना है। इस ओलंपिक में पुरुष और महिलाओं की 6-6 टीमें भाग लेंगी। हर टीम 15 सदस्यीय स्क्वाड का चयन कर सकती हैं क्योंकि पुरुष और महिलाओं दोनों में 90 90 खिलाड़ियों का कोटा आवंटित किया गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे सहित 12 फुल मेंबर शामिल हैं। इसके अलावा 94 देश एसोसिएट सदस्य हैं। ओलंपिक 2028 में क्रिकेट में क्वालीफाई करने के तरीके की अभी तक पुष्टि नहीं की गई है। दूसरी तरफ यदि अमेरिका को मेजबान देश होने के कारण सीधे प्रवेश मिलता है, तो वह हर वर्ग में बाकी पांच टीम क्वालिफिकेशन के जरिए इसमें अपनी जगह बनाएंगी। यह भी सवाल है कि वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व कौन करेगा,क्योंकि कैरिबियन के द्वीप ओलंपिक खेलों में अलग-अलग देशों के रूप में भाग लेते हैं, जैसा कि वे कॉमनवेल्थ गेम्स में करते हैं। ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी 128 सालों के बाद हो रही है। इससे पहले 1900 में पेरिस में आयोजित किए गए ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल किया गया था।। तब क्रिकेट में फ्रांस और ग्रेट ब्रिटेन ने ही हिस्सा लिया था। इन दोनों टीम के बीच दो दिनों का मैच खेला गया था, जिसे अनधिकृत टेस्ट मैच का दर्जा हासिल है। लेकिन इस बार क्रिकेट को टी20 फॉर्मेट के तौर पर खेला जाएगा।

बॉलीवुड का हैंडसम हीरो 20 साल से है लापता

पागलखाने से अचानक हुआ गायब, खोजते रह गए थे ऋषि कपूर

बॉलीवुड में कई सितारे करियर की शुरुआत में ही हिट हो जाते हैं,वहीं कई को फ्लॉप का टैग मिल जाता है। कई शौहरत की सीढ़ियां चढ़ते हैं तो कई शुरुआत में ही असफल हो जाते हैं। कई सितारे ऐसे भी होते हैं जो सफलता और असफलता दोनों का स्वाद चखते हैं। वैसे असफलता के बाद सफलता तो लोगों को रास आती है, लेकिन सफलता के बाद असफलता का सामना करना काफी मुश्किल हो जाता है। कई सितारे इन परिस्थितियों में लड़खड़ा जाते हैं। अक्सर देखा गया है कि ऐसे हालत में वो लाइमलाइट से दूर हो जाते हैं, कोई डिप्रेशन का शिकार होता है तो कोई इंडस्ट्री छोड़ देता है। कम ही ऐसे सितारे होते हैं जो इसे हैंडल कर पाते हैं। आज ऐसे ही एक एक्टर के बारे में बात करेंगे जिन्हें सफलता तो रास आई लेकिन असफलता को हैंडल नहीं कर पाए,ग्लैमर की दुनिया छोड़ अचानक ही गायब हो गए। आज तक लोग उनकी राह देख रहे हैं।

कई फिल्मों में छोड़ी छाप

1949 में जन्मे राज किरण महतानी 1980 के दशक में एक लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेता थे। उन्होंने ऋषि कपूर, गोविंदा, अनिल कपूर, रेखा, श्रीदेवी, दीप्ति नवल और हेमा मालिनी जैसे कई सितारों के साथ बसेरा, अर्थ, तेरी मेहरबानियां, मजदूर और घर एक मंदिर जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया। उनकी सबसे लोकप्रिय भूमिका सुभाष घई की फ़िल्म कर्ज में रवि वर्मा की है। कई हिट फिल्में देने के बाद जब उनका करियर ढलान पर आने लगा तो राज किरण डिप्रेशन में चले गए और बताया जाता है कि 2000 के दशक की शुरुआत में उन्हें पागलखाने में भर्ती कराया गया था। इसके बाद वो अचानक ही वहां से गायब हो गए और 20 साल से ज्यादा समय से लापता हैं।

एक्टर को लेकर होते हैं कई दावे

राज किरण की प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों ही पटरी से उतर गई थी। कई साल उन्होंने बायखुला मेंटल असायलम में बिताए, लेकिन फिर उनके वहां से गायब होने के बाद कई दावे किए गए। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि उन्हें न्यूयॉर्क में कैब चलाते हुए देखा गया था। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि बाद में उन्हें अमेरिका में पागलखाने में भर्ती कराया गया। राज की को-एक्ट्रेस दीप्ति नवल और ऋषि कपूर ने भी उन्हें खोजने की कोशिश की था, लेकिन उनकी कोशिशें नाकाम रहीं। दोनों ने कई इंटरव्यू में कहा कि उनके परिवार से भी संपर्क करने की कोशिश की लेकिन सटीक जानकारी नहीं मिल सकी। साल 1999 से एक्टर के

बारे में किसी को भी सटीक जानकारी नहीं है। को-एक्टर ऋषि कपूर ने बताया था कि वो अमेरिका के पागलखाने में हैं,वहीं दिप्ति नवल ने बताया कि वो अमेरिका में टेक्सी चलाते देखे गए।

सपोर्ट में आई थीं सोमी अली

पाकिस्तानी-अमेरिकी अभिनेत्री सोमी अली अभी भी लापता अभिनेता की तलाश कर रही हैं, जिनके साथ उन्होंने एक फिल्म में काम किया था। वह अक्सर अपने दोस्त को खोजने के अपने संघर्षों के बारे में अपने इंस्टाग्राम पर लिखती रही हैं। इस साल जनवरी में सोमी अली ने बॉलीवुड की आलोचना की और कहा कि उन्हें बॉलीवुड भूल गया है। उन्होंने लिखा,कर्ज और अर्थ जैसी क्लासिक फिल्में में दिल जीतने वाले करिश्माई अभिनेता राज किरण ने मेरी आखिरी बॉलीवुड फिल्म अग्निचक्र में मेरे साथ काम किया था। वो एक शानदार एक्टर थे, इसके बावजूद उनका ऐसे गायब होने एक अनसुलझी कहानी बनी हुई है। एक रहस्य जो इंडस्ट्री में एक बेचैन करने वाली उदासीनता को उजागर करता है जो कभी उनका सम्मान करती थी।

बॉलीवुड पर उठाए सवाल

इस साल जनवरी में सोमी अली ने राज को छोड़ देने के लिए बॉलीवुड की आलोचना की थी। उन्होंने लिखा, कर्ज और अर्थ जैसी क्लासिक फ़िल्मों में दिल जीतने वाले करिश्माई अभिनेता राज किरण ने मेरी आखिरी बॉलीवुड फिल्म अग्निचक्र में मेरे साथ सोमी अली के साथ स्क्रीन शेयर की। अपनी प्रतिभा के बावजूद, राज का गायब होना एक अनसुलझी त्रासदी बनी हुई है -एक रहस्य जो इंडस्ट्री में एक बेचैन करने वाली उदासीनता को उजागर करता है जो कभी उनका सम्मान करती थी। कोई भी आगे क्यों नहीं आया? महेश भट्ट जैसे प्रभावशाली व्यक्ति,जो अक्सर मानवीय कमजोरियों की खोज करते हैं या शबाना आजमी,जो न्याय की कट्टर समर्थक हैं, उन्होंने राज के बारे में जवाब क्यों नहीं मांगा? उनके सह-कलाकार,निर्देशक और निर्माता कहां हैं? उनकी चुप्पी बॉलीवुड पर सवाल खड़े करती है।

सोमी कर रही एक्टर की तलाश

सोमी अली ने आगे कहा, उनके लापता होने के दशकों बाद मैंने अटलांटा,न्यूयॉर्क,न्यू जर्सी और मुंबई में आधिकारिक गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करना शुरू कर दिया है। राज के टैक्सी चलाने, पागलखाने में भर्ती होने या यहां तक कि परिवार के हाथों दुखद अंत का सामना करने की कहानियां अभी भी बनी हुई हैं, लेकिन स्पष्टता का अभाव है। यहां तक कि दिवंगत ऋषि कपूर, जिन्हें गलत खेल का संदेह था उन्होंने मुझे कभी हार न मानने के लिए प्रोत्साहित किया। फिर भी राज के मामले को लेकर सामूहिक उदासीनता बनी हुई है। अगर बॉलीवुड अपनी शक्तिशाली आवाजों और प्लेटफॉर्म के साथ राज किरण जैसे किसी व्यक्ति से दूर हो जाता है, तो यह उनके मूल्यों के बारे में क्या कहता है? राज अफवाहों से ज्यादा के हकदार हैं-वे सच्चाई, सम्मान और न्याय के हकदार हैं।

तेन्दूपत्ता बोनस गबन मामले पर मचा हड़कंप

तेन्दूपत्ता बोनस गबन मामले में ईओडब्ल्यू की बड़ी छापामार कार्यवाही

» तेंदूपत्ता बोनस मामले म्रें एसीबी और ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई...

» सीपीआईनेता मनीष कुंजाम के घर समेत 4 जगहों पर मारा छापा...

» दिनभर दोनों विभाग के अधिकारी छानबीन करते रहे...

» सीपीआई नेताओं ने कार्रवाई को राजनैतिक बताया...

» इस पर विभागीय अधिकारियों ने कोई बयान नहीं दिया...

सुकमा,10अप्रैल 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में गुरुवार 10 अप्रैल एसीबी और ईओडब्ल्यू ने एक साथ चार जगहों पर छापा मारा। यह कार्रवाई तेंदूपत्ता बोनस से जुड़े कथित घोटाले की जांच के तहत की गई है। छापेमारी में पूर्व विधायक और सीपीआई नेता मनीष कुंजाम के घर के अलावा जगरगुंडा, पालाचलमा, कोंटा और एर्राबोर इलाकों में तेंदूपत्ता प्रबंधकों के घरों पर छापे मारे गए। सुबह से शुरू हुई इस कार्रवाई में टीमें अभी भी पूछताछ और दस्तावेजों की जांच में जुटी हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह छापेमारी तेंदूपत्ता बोनस में अनियमितताओं की शिकायतों के बाद शुरू हुई। तेंदूपत्ता संग्रह और इसके बोनस वितरण में गड़बड़ी की बात सामने आई थी, जिसके बाद एसीबी और ईओडब्ल्यू ने संयुक्त रूप से यह कदम उठाया। सुकमा और कोंटा इलाकों में सक्रिय तेंदूपत्ता प्रबंधकों पर नजर थी और अब उनके घरों से सबूत जुटाने की कोशिश की जा रही है। मनीष कुंजाम, जो सीपीआई के बड़े नेता और पूर्व विधायक हैं, उनके घर पर भी टीम ने दबिश दी। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि छापेमारी में क्या-क्या बरामद हुआ है।

छापे के बाद मच गया हड़कंप

जानकारी के अनुसार, टीमों ने सुबह से ही इन ठिकानों पर पहुंचकर दस्तावेजों की छानबीन शुरू की। स्थानीय लोगों में इस कार्रवाई को लेकर चर्चा जोरों पर है। तेंदूपत्ता संग्रह छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में आजीविका का बड़ा साधन है और इसके बोनस में गड़बड़ी की शिकायतें पहले भी उठती रही हैं। इस मामले में बड़े नेताओं और प्रबंधकों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। एसीबी और ईओडब्ल्यू के अधिकारी अभी कुछ भी खुलकर नहीं बता रहे हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह जांच आगे और सख्त हो सकती है। मनीष कुंजाम समेत जिन लोगों के घर छापे पड़े हैं, उनसे पूछताछ जारी है। इस कार्रवाई से सुकमा में हड़कंप मच गया है। आने वाले दिनों में जांच के नतीजे सामने आने पर ही साफ होगा कि इस मामले में कितनी गहराई तक अनियमितताएं हुई हैं।

वन अधिकारियों के 12 ठिकानों पर दबिश

तेन्दूपत्ता बोनस गबन मामले में ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो) ने एक बड़ी छापामार कार्यवाही को अंजाम दिया है। इस कार्यवाही में अशोक कुमार पटेल, डीएफओ,वनमंडल सुकमा, मनीष कुंजाम, डीएफओ कार्यालय सुकमा के कर्मचारी राजशेखर पुराणिक और प्राथमिक लघुवनोपज समिति के प्रबंधकों समेत 12 ठिकानों पर दबिश दी गई। मिली जानकारी के अनुसार, ईओडब्ल्यू ने इस मामले में महत्वपूर्ण दस्तावेज, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कई बैंक खातों के विवरण और निवेश से संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं। इसके अलावा, सुकमा के डीएफओ कार्यालय के कर्मचारी राजशेखर पुराणिक के निवास से 26 लाख 63 हजार 700 रुपये की नगदी भी जब्त की गई है। इस मामले में आरोप है कि साल 2021 और 2022 के तेन्दूपत्ता प्रोत्साहन पारिश्रमिक के तहत संग्राहकों को प्रदान की जाने वाली राशि (करीब 7 करोड़ रुपये) का एक बड़ा हिस्सा गबन कर लिया गया है। ईओडब्ल्यू द्वारा मामले में एफआईआर (आपराधिक मामला) दर्ज किया गया है, जिसका अपराध क्रमांक 26/2025 है और आरोपों के तहत धारा-409 और 120बी लागू की गई है। वहीं मामले को लेकर प्रेस नोट जारी कर ईओडब्ल्यू ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि छापा कार्यवाही के बाद अग्रिम कार्रवाई जारी है और इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

महत्वपूर्ण खबर

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव कैबिनेट का विस्तार टला

नए मंत्री के नामों पर सहमति नहीं, अब 15 अप्रैल के बाद

रायपुर,10अप्रैल 2025(ए)। विष्णुदेव साय कैबिनेट का बहुप्रतीक्षित विस्तार एक बार फिर टल गया है। दिसंबर में भी इसी तरह राजभवन में शपथ समारोह आयोजित होते-होते टल गया था। 25 दिसंबर को लगभग तैयारी हो गई थी। राजभवन भी तैयार था। मगर ऐन वक्त पर मंत्रियों के नाम पर संगठन में एकराय नहीं बन पाई और शपथ समारोह टाल दिया गया।

रेलवे की जमीन से गुमटी-ठेले हटाने पर हाईकोर्ट की रोक

नगर पालिका के अधिकार क्षेत्र से बाहर

बिलासपुर,10अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने तखतपुर नगर पालिका द्वारा रेलवे की जमीन से ठेले और गुमटी हटाने की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि नगर पालिका या राज्य शासन के किसी भी अधिकारी को रेलवे की संपत्ति से कब्जा हटाने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है।

रिजल्ट से पहले आगाह

छग पुलिस ने स्टूडेंट्स और उनके पालकों से की सतर्क रहने की अपील

रायपुर,10अप्रैल 2025(ए)। छग पुलिस ने हाल ही में एक गंभीर साइबर ठगी के कारनामों का खुलासा किया है। जिसमें शातिर ठग बच्चों और उनके पालकों को परीक्षा परिणाम में सुधार का झांसा देकर ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इस मामले में साइबर ठग खुद को शिक्षा मंडल अधिकारी या अन्य शैक्षिक संस्थाओं के प्रतिनिधि बताकर ठगी को अंजाम दे रहे हैं। रायपुर पुलिस को मिली शिकायतों के अनुसार, ठग परीक्षा में नंबर बढ़ाने, बच्चों को पास कराने या कम्प्यूटर सिस्टम में डेटा बदलने का झूठा दावा करते हुए फीस या चार्ज के नाम पर बैंक खाता या यूपीआई डिटेल्स मांग रहे हैं। ये ठग खासकर छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षाओं के दौरान सक्रिय हो गए हैं, और परीक्षा परिणाम सुधारने के नाम पर लोगों से पैसे ऐंठने का प्रयास कर रहे हैं।

हाईकोर्ट ने कहा पेंशन व ग्रेच्युटी उपहार नहीं कर्मचारी को सेवा से होती है हासिल

बिलासपुर,10अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में पेंशन व ग्रेच्युटी को लेकर एक मामला सामने आया है। हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त उप संचालक की पेंशन से 9.23 लाख रुपये वसूलने के आदेश को निरस्त कर दिया है। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस विभू दत्त गुरु ने फैसला सुनाते हुए कहा कि पेंशन और ग्रेच्युटी कोई उपहार नहीं, बल्कि कर्मचारी को निष्ठापूर्ण सेवा से हासिल होती है। जिसे संविधान के अनुच्छेद 300 ए के तहत बिना कानूनी प्रक्रिया के नहीं छीना जा सकता है।

हाईकोर्ट ने उठाया पदोन्नति परीक्षा में गलत प्रश्न का मामला

हाईकोर्ट ने जूनियर इंजीनियर के पद पर नियुक्त करने का दिया आदेश

बिलासपुर,10अप्रैल 2025 (ए)। हाईकोर्ट ने सीएसईबी की स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी द्वारा वर्ष 2022 में आयोजित कनिष्ठ अभियंता के लिए विभागीय प्रमोशन परीक्षा में परीक्षा में पूछे गए त्रुटिपूर्ण प्रश्नों को लेकर बोनस अंक प्रदान करने और तीन माह के भीतर जूनियर इंजीनियर के पद पर नियुक्ति करने के निर्देश कंपनी को दिए हैं। न्यायमूर्ति ए.के. प्रसाद की एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला सुनाया

प्रश्नपत्र में इस तरह हुई गड़बड़ी...

दरअसल,छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी ने जूनियर इंजीनियर के पद पर पदोन्नति देने के लिए विभागीय परीक्षा का आयोजन किया था। इसमें कुछ गलत सवाल पूछे गए थे। गलत सवालों के उत्तर ना देने के कारण याचिकाकर्ताओं को पदोन्नति परीक्षा में फेल कर दिया गया। इसे लेकर दिनेश कुमार चंद्रा व कुछ अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, जिसमें बताया गया कि परीक्षा के दौरान जो प्रश्न पत्र होल्डिंग कंपनी ने परीक्षा हाल में बांटे थे उसमें 10 सवाल ऐसे थे, जिनका उत्तर देने के लिए दिए गए आप्शन में गड़बड़ी थी।

5 की जगह 4 दिए गए थे विकल्प

कोर्ट को बताया गया कि वैकल्पिक प्रश्न पूछने के बाद विकल्प के रूप में पांच सवाल दिए थे,लेकिन उत्तर लिखने के लिए पांच की जगह चार विकल्प छोड़े गए थे। परीक्षार्थियों को लगा कि विकल्प के लिए जो जगह तय की गई वह गलत है। गलत आंसर लिखने पर माइनस मार्किंग का भी डर था। लिहाजा याचिकाकर्ता और अन्य अभ्यर्थियों ने भी सवाल को गलत मानते हुए उत्तर नहीं दिया और सभी 10 सवालों को छोड़ दिया।

प्रबंधन ने खारिज कर दिया था अभ्यर्थियों का आवेदन

कंपनी ने जब रिजल्ट जारी किया तब दिनेश कुमार सहित कई को पदोन्नति के लिए अपात्र घोषित कर दिया। तब दिनेश ने त्रुटिपूर्ण प्रश्नों के लिए बोनस अंक अथवा उक्त प्रश्नों को विलोपित मानकर पुनर्गणना की मांग करते हुए उप महाप्रबंधक छत्तीसगढ़ स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी रायपुर के समक्ष अभ्यावेदन पेश किया, लेकिन उप महाप्रबंधक ने अभ्यावेदन को खारिज कर दिया। इस पर अभ्यर्थियों ने अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिका लगाई थी। कोर्ट ने सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की।न्यायालय ने सुनवाई के पश्चात पाया कि प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिका के बीच स्पष्ट तकनीकी विसंगति थी, जिससे अभ्यर्थियों का उचित मूल्यांकन नहीं हो सका। अदालत ने यह निर्णय दिया कि त्रुटिपूर्ण प्रश्नों के लिए याचिकाकर्ता को बोनस अंक दिए जाएं और तीन महीने के भीतर नियुक्ति के आदेश जारी किया जाए।

अब आईजी नहीं,डीजी होंगे ईओडब्ल्यू के प्रमुख

राज्य सरकार ने जारी की नई अधिसूचना

रायपुर,10अप्रैल 2025(ए)। राज्य सरकार ने विभिन्न शासकीय विभागों के प्रमुखों को लेकर नई अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिनमें सबसे बड़ा फेरबदल आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो को लेकर हुआ है।अब तक ईओडब्ल्यू का नेतृत्व आईजी स्तर के अधिकारी कर रहे थे, लेकिन नई व्यवस्था के तहत इस ब्यूरो के प्रमुख महानिदेशक स्तर के अधिकारी होंगे। यह निर्णय राज्य सरकार द्वारा आर्थिक अपराधों की जांच को और अधिक प्रभावी और सशक्त बनाने की दिशा में लिया गया है।

तलवार लिए थाने में बनाया रील्स

युवकों की हरकत से पुलिसकर्मियों में मचा हड़कंप

रायगढ़,10अप्रैल 2025(ए)। दो युवक तलवार लेकर थाना पहुंच गए। जिसके बाद रील बनाकर उसे सोशल मिडिया में पोस्ट कर दिया। जब मामले की जानकारी पुलिस को हुई, तो पुलिस ने युवकों की क्लास लगा दी और थाना के सामने उठक बैठक कराया। मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक रामनवमी के दिन दो युवक रील बनाने के चक्कर में चक्रधर नगर थाना पहुंच गए। बताया जा रहा है कि दो युवक अपने हाथों में खुली तलवार लेकर चलते हुए श्लो मोशन वीडियो बनाया। उसके बाद उन्होंने रील में गाना अपलोड किया एक बात बता दूं,आप से, नहीं डरता किसी के बाप से और इस गाने के साथ पूरा वीडियो रूपेन्द्र नामक आइडी से इंस्टाग्राम में पोस्ट कर दिया। ऐसे में यह वीडियो वायरल होने लगा, तब इसकी शिकायत रायगढ़ पुलिस को हुई,जिसे पुलिस ने गंभीरता से लिया और तत्काल वीडियो में बनाने वाले युवकों की तालाश शुरू की। जिसके बाद युवकों की पहचान कर दोनों युवकों को थाना लाया गया। जहां उनसे पूछताछ करने पर युवकों ने बताया कि मौज-मस्ती के उद्देश्य से वीडियो बनाया था। ऐसे में पुलिस ने उन्हें समझाईश देते हुए भविष्य में ऐसा नहीं करने के लिए उठक बैठक कराया और युवकों ने अपनी गलती की माफी मांगी। जिसके बाद इंस्टाग्राम से उस पोस्ट को डिलीट कराया गया और उनके परिजनों की उपस्थिति में उन्हें छोड़ा गया।

छत्तीसगढ़ में लागू हुई नक्सलवादी आत्मसमर्पण,पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025

रायपुर,10अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य में नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों के लिए एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हुए नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 को औपचारिक रूप से लागू कर दिया है। गृह विभाग द्वारा 28 मार्च 2025 को जारी अधिसूचना के अनुसार,इस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी जिलों में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में विशेष समितियों के गठन के निर्देश दिए गए हैं। यह नीति, नक्सल हिंसा में पीड़ित हुए व्यक्तियों एवं परिवारों जैसे कि मृत्यु, गंभीर घायल या स्थायी अपंगता के शिकार लोगों के साथ-साथ आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास और राहत के उद्देश्य से तैयार की गई है। अधिसूचना के अनुसार, प्रत्येक जिले में गठित होने वाली समिति में कलेक्टर अध्यक्ष होंगे, जबकि पुलिस अधीक्षक को सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त वनमंडलाधिकारी,जिला पंचायत के सीईओ, कलेक्टर द्वारा

नामांकित दो अन्य अधिकारी तथा सशस्त्र बलों के प्रतिनिधियों को भी समिति में शामिल किया जाएगा। नोडल अधिकारी होंगे नियुक्त प्रत्येक जिले एवं सब-डिविजनल स्तर पर एक-एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी, जिनका मोबाइल नंबर व ई-मेल पता राज्य शासन को प्रेषित किया जाएगा। यह अधिकारी समस्त पुनर्वास कार्यों की निगरानी करेंगे। गृह विभाग ने निर्देशित किया है कि राज्य गठन के उपरांत से अब तक के सभी पीड़ित प्रकरणों को चिन्हित किया जाए और आत्मसमर्पित नक्सलियों का चयन कर राहत एवं पुनर्वास की कार्यवाही प्राथमिकता पर की जाए। इस नीति के अंतर्गत एक विशेष पोर्टल विकसित किया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक पीड़ित एवं आत्मसमर्पित व्यक्ति की जानकारी दर्ज की जाएगी और उन्हें एक यूनिक आईडी प्रदान की जाएगी। संबंधित अधिकारी इस पोर्टल के डैशबोर्ड का नियमित रूप से अवलोकन कर राहत एवं पुनर्वास के कार्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। गृह विभाग ने कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे इस नीति के अंतर्गत निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए राहत एवं पुनर्वास की कार्यवाही को समय सीमा में प्रभावी रूप से पूरा करेंगे।

बॉलीवुड सिंगर ऐश्वर्या पंडित ने पति पर लगाया धोखाधड़ी और हमले का आरोप

रायपुर,10अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर ऐश्वर्या पंडित ने अपने पति तपन देव सोनवानी और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने कहा है कि रायपुर के चतुर्थ न्यायालय और उच्च न्यायालय में शिकायत दर्ज कराते हुए कहा है कि उन्हें विवाह कक्ष में चोरी के झूठे आरोप में फंसाकर बदनाम किया गया और उनकी मां एवं नानी पर कोर्ट परिसर स्थित मेडिकल सेंटर के बॉल रूम में जानलेवा हमला किया गया।

माओवादियों की साजिश नाकाम

कोबरा 204 ने 4 प्रेशर आईईडी बरामद कर किए नष्ट...

बीजापुर,10 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में माओवादियों के नापाक इरादों को सुरक्षा बलों ने एक बार फिर ध्वस्त कर दिया है। कोबरा 204 की टीम ने एरिया डॉमिनेशन ड्यूटी के दौरान भीमाराम कैंप से 2 किलोमीटर दूर पुसगुफा की ओर माओवादियों द्वारा बीयर बॉटल में छिपाए गए 4 प्रेशर आईईडी बरामद किए और उन्हें सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई से माओवादियों की बड़ी साजिश को विफल करने में सफलता मिली है।

जेटीएफ कैंप भीमाराम से पुसगुफा की ओर रवाना हुई कोबरा 204 की टीम ने गुरुवार को अपनी नियमित एरिया डॉमिनेशन ड्यूटी के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। इस दौरान टीम को बीयर बॉटल में लगाए गए 4 प्रेशर आईईडी मिले, जिन्हें माओवादियों ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से प्लांट किया था। कोबरा टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर ही इन विस्फोटकों को नष्ट कर दिया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई।

लेखापाल पर गिरी गाज,रिश्वत लेकर नपे

जांजगीर-चांपा,10 अप्रैल 2025(ए)। शिक्षा विभाग में पदस्थ लेखापाल ने अपने ही विभाग के शिक्षक से फार्म 16 को जमा करने के एवज में 500 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। रुपये देने के बाद ही फार्म जमा करने की शर्त रख दी थी।

इससे परेशान शिक्षक ने इसकी शिकायत डीईओ से की थी मामले की गंभीरता को देखते हुए डीईओ ने जांच कमेटी बनाई थी। जांच कमेटी को जल्द रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। कमेटी ने रिपोर्ट के बाद शिकायत को सही पाते हुए घुसखोर लेखापाल के विरुद्ध कार्रवाई की अनुशंसा की थी। कमेटी की अनुशंसा के बाद डीईओ ने लेखापाल को निलंबित कर दिया है।

नदी किनारे शराब पार्टी फिर दोस्त का मर्डर

जिगरी यारों ने वहीं दफना दिया था शव को

बालोद,10 अप्रैल 2025(ए)। तीन दोस्तों ने शराब पार्टी में गाली-गलौज के बाद अपने ही दोस्त को खौफनाक सजा दी। शराब के नशे में धुत आरोपियों ने अपने दोस्त यशवंत की गला दबाकर हत्या कर दी और फिर मृतक के शव को खेरूद नदी के किनारे दफनाया दिया। पुलिस ने मामले में तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पुलिस को घटनास्थल से मृतक यशवंत का शव अधनग्न हालत में बरामद हुआ है। मामला गुंडरदेही थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, घटना रविवार (6 अप्रैल) की है,यशवंत और उसके तीन दोस्त मनीष,साहिल और ईमन सिकोसा भट्ठी से शराब लाकर खेरुद नदी पर पार्टी करने लगे। इस दौरान यशवंत और तीनों के बीट किसी चीज पर विवाद हो गया, बात गाली गलौज तक जा पहुंची. इसके बाद तीनों ने मिलकर यसवंत की हत्या कर दी। आरोपियों ने उस रात शव को नदी किनारे रेत में दफन कर दिया। अगले दिन जब तीनों का नशा खत्म हुआ तो वे दोबारा घटनास्थल पर पहुंचे। मौके से बदबू आ रही थी, किसी को शक नहीं हो इसके लिए यशवंत के शव को बाहर निकलकर दूसरी जगह फिर से दफनाया।

मृतक यशवंत नेताम अर्जुन्दा थाना क्षेत्र के डेंगरापार गांव का निवासी था। यशवंत के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने थाने में गुमशुदी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को निशानदेही पर हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की. कड़ाई से पूछताछ करने पर तीनों ने अपना जुर्म कबूल किया। पुलिस, राजस्व और फोरेंसिक की टीम आरोपियों को लेकर घटनास्थल पर पहुंची। जहां शव को नदी से खोदकर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)